www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक
शब्दवाणी समाचार
नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

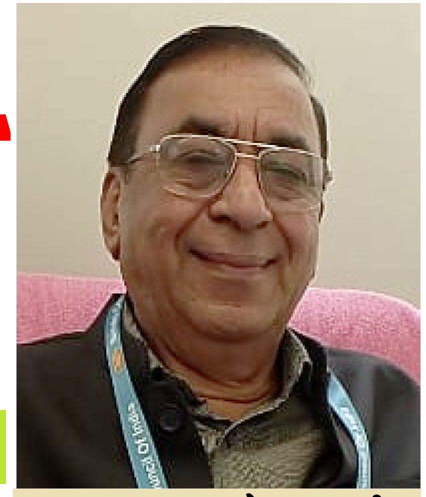
सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 273 नई दिल्ली, मंगलवार , 28 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

अब अहिल्यानगर की छात्रा अंकिता सांगले ने की आत्महत्या

अहिल्यानगर। देश में नीट को लेकर चल रहे विवाद के बीच महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। कर्जत तालुका के जलालपुर गांव की छात्रा अंकिता सुरेश सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। परिवार के अनुसार, अंकिता ने नीट री-एग्जाम में कम अंक आने के सदमे में यह कदम उठाया। सुसाइड नोट में अंकिता ने लिखा कि उसे कम अंक मिलने से डॉक्टर बनने का सपना टूट गया है।

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर रोक

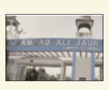

मुरादाबाद। यूपी रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी को बड़ी राहत देते हुए मुरादाबाद मंडलायुक्त ने रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश पर अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। विश्वविद्यालय प्रबंधन की अपील पर सुनवाई करते हुए मंडलायुक्त ने फिलहाल ध्वस्तीकरण की कार्रवाई स्थगित कर दी है।

भूस्खलन से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद किया गया

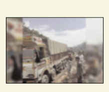

श्रीनगर। उधमपुर जिले में भूस्खलन की वजह से सोमवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया है। अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई है कि बिना जानकारी के राजमार्ग पर न करें। लेटेस्ट अपडेट के के लिए जम्मू और श्रीनगर में यातायात नियंत्रण कक्ष से संपर्क की सलाह दी गई है। उधमपुर जिले के देवल इलाके में भूस्खलन के बाद राजमार्ग बाधित हो गया है।

ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर अभियान चलाएगी आप : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर देशव्यापी अभियान तेज करने का ऐलान किया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी की ओर से एक अगस्त को यहाँ कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20' का आयोजन किया जायेगा जिसमें देशभर से लोग प्रत्यक्ष और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से जुड़ सकेंगे।

ताहिर समेत पांच दोषियों को 31 को सुनाई जाएगी सजा

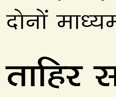

नई दिल्ली। 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व आप नेता ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों की सजा पर कड़कड़डूमा कोर्ट 31 जुलाई को फैसला सुनाएगा। पुलिस ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' मामला बताते बताया है।

पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर हुई सुनवाई

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज सही नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण और न्यायसंगत प्रदर्शन संविधान के तहत सुरक्षित हैं और केवल विरोध-प्रदर्शन लाठीचार्ज का आधार नहीं हो सकता है।

उन्होंने ये मौखिक टिप्पणियां तब कीं जब न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना वाली बेंच देश में नीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस बल के अत्यधिक

- **सभी याचिकाओं पर आज फिर होगी सुनवाई**
- **पुलिसकर्मियों व छात्रों का घायल होना चिंताजनक**

उपयोग का आरोप लगाने वाली याचिकाओं के एक समूह पर

सुनवाई कर रही थी। न्यायालय ने विरोध-प्रदर्शन के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों के परिवारों को भी कार्यवाही में शामिल होने की इजाज़त दी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि पुलिसकर्मियों और छात्रों, दोनों का घायल होना समान रूप से चिंताजनक है और उन्होंने सरकार से यह बताने को कहा कि पुलिस को हेलमेट जैसे ज़रूरी सुरक्षा उपकरण क्यों नहीं दिए गए थे।

पीठ मंगलवार को सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादतियों का मामला तत्काल सुनवाई के लिए उठाया था।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा मामला : एसआईटी से दो हफ्ते में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) से दो सप्ताह के भीतर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

मामले की जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मामले की जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि एसआईटी में एक अनुभवी चार्टर्ड अकाउंटेंट के साथ-साथ एक फोरेंसिक ऑडिटर या फोरेंसिक विशेषज्ञ को भी शामिल किया जाए, ताकि वित्तीय लेनदेन और रिकॉर्ड की गहन जांच की जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सुझाव पर सहमति जताई। सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता ने देशभर से प्राप्त चंदे का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग दोहराई।

सौ वीडियो खंगालने के बाद पुलिस का दावाः सीजेपी प्रदर्शन में थे 989 हिस्ट्रीशीटर

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। जंतर-मंतर और संसद मार्च के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में हुई हिंसा की जांच में दिल्ली पुलिस ने बड़ा दावा किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक 100 सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का विश्लेषण किया जा चुका है। इनकी मदद से प्रदर्शन स्थल पर मौजूद 2,873 लोगों की पहचान की गई है। पुलिस का कहना है कि इनमें से 989 लोगों के खिलाफ पहले से हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, लूट, दुष्कर्म, महिलाओं के खिलाफ अपराध, आर्म्स एक्ट, अपहरण, झपटमारी और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर मामलों में आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज हैं।

सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान घटनास्थलों के सीसीटीवी, पुलिस के वीडियो और सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप का तकनीकी विश्लेषण किया गया। इसके बाद फेस रिकग्निशन तकनीक और उपलब्ध पुलिस रिकॉर्ड से मिलान कर प्रदर्शन में शामिल लोगों की पहचान की गई। इसके आधार पर उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की गई।

पुलिस के दावे के अनुसार, पहचाने गए लोगों में 101 ऐसे व्यक्ति हैं जिनके खिलाफ हत्या के मामले दर्ज हैं। 62 लोगों पर हत्या के प्रयास के मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। इसके अलावा 284 लोगों के खिलाफ डकैती और लूट, 61 लोगों पर दुष्कर्म, 6 लोगों पर पॉक्सो एक्ट, 25 लोगों पर महिलाओं से छेड़छाड़, 229 लोगों पर आर्म्स एक्ट, 135 लोगों पर झपटमारी, 19 लोगों पर अपहरण और 67 लोगों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज होने का दावा किया गया है।

जांच में यह भी सामने आने का दावा किया गया है कि कई लोग आदतन अपराधी हैं। पुलिस के अनुसार, हत्या के मामलों में शामिल 101 लोगों में से 42 के खिलाफ दो या उससे अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें 12 ऐसे लोग भी हैं जिन पर 10 या उससे अधिक केस दर्ज बताए गए हैं। इसी तरह हत्या के प्रयास के 62 मामलों में शामिल 25 लोगों पर दो या अधिक मुकदमे दर्ज हैं। डकैती और लूट के 284 लोगों में से 155 के खिलाफ एक से अधिक केस हैं, जबकि 31 लोगों पर 10 या उससे अधिक मुकदमे दर्ज होने का दावा किया गया है। दुष्कर्म के मामलों में शामिल 61 लोगों में आठ, महिलाओं से छेड़छाड़ के 25 लोगों में छह तथा एनडीपीएस एक्ट के 67 मामलों में नौ लोगों के खिलाफ भी दो या उससे अधिक आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि यह विश्लेषण पुलिस पर हुए हमले और हिंसा की जांच का हिस्सा है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन लोगों की प्रदर्शन के दौरान क्या भूमिका थी और क्या हिंसा के पीछे कोई सुनियोजित साजिश या संगठित नेटवर्क सक्रिय था। हालांकि, यह सभी आंकड़े दिल्ली पुलिस की जांच पर आधारित हैं और इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है।

लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक-2026 पेश, पेपर लीक पर 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, संगठित नकल और अन्य अनियमितताओं पर सख्ती बढ़ाने के लिए सोमवार को लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने सदन में यह विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाना है।

सरकार के अनुसार, हाल के वर्षों में प्रश्नपत्र लीक और संगठित परीक्षा घोटालों की घटनाओं को देखते हुए वर्ष 2024 में बने कानून को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। इसी उद्देश्य से यह संशोधन विधेयक लाया गया है। प्रस्तावित संशोधन के तहत परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वालों के लिए सजा को और कड़ा किया गया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऐसे मामलों में न्यूनतम तीन वर्ष और अधिकतम पांच वर्ष की

सजा का प्रावधान है, जिसे बढ़ाकर न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का भी प्रावधान किया गया है।

विधेयक में परीक्षा आयोजित करने वाली सेवा प्रदाता एजेंसियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव है। यदि कोई एजेंसी परीक्षा में धांधली या पेपर लीक में शामिल पाई जाती है तो उस पर अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक जुमार्ना लगाया जा सकेगा। साथ ही ऐसी एजेंसी को सार्वजनिक परीक्षाएं आयोजित करने से चार वर्ष के बजाय आठ वर्ष तक के लिए प्रतिबंधित किया जा सकेगा। सेवा प्रदाता संस्थाओं के प्रबंधकीय अधिकारियों के लिए भी सजा कड़ी करने का प्रस्ताव है। ऐसे मामलों में न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष की कैद तथा अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक जुमार्ना लगाया जा सकेगा।

संगठित तरीके से परीक्षा संबंधी अपराध करने वाले गिरोहों के खिलाफ भी कठोर प्रावधान किए गए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम सजा सात वर्ष और अधिकतम दस वर्ष तक होगी, जबकि अधिकतम जुमार्ना 10 करोड़ रुपये तक लगाया जा सकेगा। विधेयक में जांच और न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया है। इसके तहत केंद्र सरकार को ऐसे मामलों की जांच विशेष कार्यबल (स्पेशल टास्क फोर्स) को सौंपने का अधिकार होगा। जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी, जबकि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद मामले की सुनवाई विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों में होगी और मुकदमे का निपटारा तीन महीने के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक विशेष अदालत के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का भी प्रावधान किया गया है।

देश के शहरी क्षेत्र में अब तक 127.68 लाख घरों को मिली मंजूरी, 99.07 लाख लोगों को सौंपे गए

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। केंद्र सरकार ने देश के शहरी क्षेत्रों में साल 2015 से अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) और इसके संशोधित संस्करण पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत 127.68 लाख घरों को मंजूरी दी है। इनमें से 121.03 लाख घरों का निर्माण शुरू हो चुका है और 99.07 लाख घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने सोमवार को राज्यसभा में एक प्रश्न का उत्तर में बताया कि योजना को चार वर्टिकल्स के जरिए लागू किया जा रहा है जिनमें लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी), साझेदारी में किफायती आवास (एएचपी), किफायती किराए का आवास (एआरएच) और ब्याज सब्सिडी योजना (आईएसएस) शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि एआरएच वर्टिकल के तहत प्रवासी मजदूरों, कामकाजी महिलाओं, छात्रों और शहरी गरीबों के लिए कार्यस्थलों के पास किराए के घर बनाने की योजना है। जुलाई 2020 में शुरू की गई एआरएचसी योजना के तहत जम्मू-कश्मीर में 336 घरों को किराए के आवास में बदला गया है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश में अब तक 45,982 घरों को मंजूरी मिली है। इनमें से 43,907 घरों का निर्माण शुरू हो चुका है और 35,961 पूरे हो चुके हैं। केंद्रशासित प्रदेश सरकार को योजना के दिशा-निदेर्शों के अनुसार और प्रस्ताव भेजने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) 25 जून 2015 को शुरू हुई थी। इसके संशोधित संस्करण पीएमएवाई-यू 2.0 हाउसिंग फॉर ऑल मिशन 1 सितंबर 2024 से लागू हुआ। योजना का उद्देश्य पात्र शहरी लाभार्थियों को पक्के घर उपलब्ध कराना है।

कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

कुछ इलाकों में चल सकती है तेज हवाएं

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की गई है। अगले 14 घंटे भारी बारिश की वजह से कई राज्यों के लिए बहुत मुश्किल रहने वाले हैं। मौसम विभाग की ओर से चेतावनी दी गई है कि कुछ इलाकों में हवा की स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे पेड़ उखड़ने, बिजली जाने, ट्रैफिक में रुकावट और निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ सकता है। किसानों, यात्रियों और नदियों और तटीय इलाकों के पास रहने वाले लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। पहाड़ी राज्यों में, अधिकारियों ने लगातार बारिश के कारण

संभावित भूस्खलन और नदियों के पानी के लेवल में अचानक बढ़ोतरी के बारे में भी चेतावनी दी है। आईएमडी की ओर से पूरे हफ्ते हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में काफी ज्यादा बारिश का अनुमान लगाया है। सोमवार से पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी बारिश की गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है, और इस हफ्ते कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

- **निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा**

अधिकारियों को अलर्ट रहने की सलाह

आईएमडी ने राज्य के अधिकारियों को अलर्ट रहने की सलाह दी है और लोगों से मौसम विभाग की सलाह मानने, तेज बारिश के समय गैर-जरूरी यात्रा से बचने और बाढ़, जलभराव और भूस्खलन की संभावना वाले इलाकों में जरूरी सावधानी बरतने की अपील की है।

भारतीय नाविक की मौत पर यूक्रेनी राजदूत को तलब किया

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। काला सागर पार करने के दौरान कमर्शियल जहाज एमवी ओएमओआरएएफआई पर हमला हुआ। हमले के दौरान जहाज पर चार भारतीय मौजूद थे, जिसमें एक की मौत हो गई। इसी सिलसिले में विदेश मंत्रालय ने भारत में यूक्रेन के राजदूत एलेक्जेंडर पोलिशचुक को सोमवार को तलब किया है। इस सिलसिले में विदेश मंत्रालय ने कहा, 'भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. एलेक्जेंडर पोलिशचुक को कमर्शियल जहाज एमवी ओएमओआरएएफआई पर हुए हमले के सिलसिले में विदेश मंत्रालय में बुलाया गया, जिसमें एक भारतीय नागरिक की दुखद मौत हो गई थी।

ई-20 आंदोलन के बीच गडकरी को बड़ी राहत, पोस्ट की तो होगी कार्रवाई

मुंबई, 27 जुलाई (हि.स.)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर सीपेजी आंदोलन के बाद देश में ई-20 आंदोलन नया रूप ले रहा है। ई-20 आंदोलन के आयोजकों ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद का घेराव करने का एलान किया है। इस बीच बॉम्बे हाईकोर्ट ने गडकरी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सख्त हिदायत दी है कि यदि गडकरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया गया तो संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। सीपेजी आंदोलन के बाद नया आंदोलन खड़ा हो गया है. अब सोशल मीडिया पर ई-20 फ्यूल के खिलाफ आंदोलन की चर्चा है। इस ऑनलाइन आंदोलन को भी सीपेजी की तरह अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। 'ई-20 जनता पार्टी' नाम के सोशल मीडिया अकाउंट को लाखों लोगों ने फॉलो किया है। आरोप है कि ई-20 फ्यूल वाहनों के इंजन को नुकसान पहुंचाता है। इस पर गडकरी और उनके परिवार की कंपनी को घेरा जा रहा है। गडकरी ने मानहानि को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने गडकरी को राहत देते हुए सोशल मीडिया पर कंटेंट फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को ई-20 एथेनॉल नीति के नाम पर उनके और उनके परिवार के खिलाफ फैलाए जा रहे भ्रामक दावों, डीपफेक वीडियो और मानहानि कंटेंट के खिलाफ सोशल मीडिया पर दीवानी मुकदमा करने की अनुमति दी है।

जानकारी *पिछले 5 वर्षों में लगभग चार गुना हो गई संख्या*

100 करोड़ से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। देश में 100 करोड़ रुपए से अधिक की वार्षिक आय घोषित करने वाले आयकरदाताओं की संख्या पिछले 5 वर्षों में लगभग चार गुना हो गई है। केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि आकलन वर्ष 2025-26 में 576 लोगों ने अपनी वार्षिक आय 100 करोड़ रुपए से अधिक घोषित की, जबकि आकलन वर्ष 2021-22 में यह संख्या 142 थी।

इस तरह पांच वर्षों में ऐसे उच्च आय वाले करदाताओं की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि आकलन वर्ष 2022-23 में 100 करोड़ रुपए से अधिक आय घोषित करने वाले करदाताओं की संख्या 301 थी। इसके बाद आकलन वर्ष 2023-24 में यह मामूली घटकर 284 रह गई, लेकिन आकलन वर्ष 2024-25 में बढ़कर 415 हो गई और आकलन वर्ष 2025-26 में यह

- **सरकार ने बताया 300 फीसदी का आया उछाल**

संख्या बढ़कर 576 तक पहुंच गई। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि आयकर अधिनियम, 2025 के तहत 'अरबपति' शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है। इसलिए सरकार ने आयकर रिटर्न के आधार पर केवल उन व्यक्तियों का आंकड़ा साझा किया है, जिन्होंने अपनी वार्षिक आय 100 करोड़ रुपए से अधिक घोषित की है। सरकार ने कहा कि हालिया आंकड़े देश में आय वितरण और रोजगार की स्थिति में सुधार का संकेत देते हैं।

श्रम बाजार की स्थिति में भी सुधार का दावा

सरकार ने श्रम बाजार की स्थिति में भी सुधार का दावा किया। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए बेरोजगारी दर 2023-24 में घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई है। सरकार ने कहा कि वह आय असमानता को कम करने के लिए प्रगतिशील कर व्यवस्था, रोजगार सृजन कार्यक्रमों और स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास तथा ग्रामीण विकास पर सार्वजनिक खर्च बढ़ाने जैसे कदम उठा रही है।

संक्षिप्त समाचार

छात्रों पर बर्बरता करने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई: एनएसयूआई

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस की छात्र शाखा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर कहा कि छात्र आंदोलन के बाद पुलिस द्वारा दर्ज की जा रही एफआईआर गलत है, क्योंकि सरकार ने लिखित रूप से आश्वासन दिया था कि किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि छात्रों पर बर्बरता करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। जाखड़ ने सोमवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि देश में 25 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या कर ली, लेकिन सरकार के प्रतिनिधि उनके परिवारों तक नहीं पहुंचे। दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था सुधार की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जबकि बिहार में छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई गईं। जिस छात्र को गोली लगी, वह अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। एनएसयूआई अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने लिखित रूप से आश्वासन दिया था कि किसी के खिलाफ कोई पुलिस कार्रवाई नहीं होगी, ऐसे में केस दर्ज करना गलत है। एनएसयूआई ने मांग की कि छात्रों पर बर्बरता करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। एनटीए के दोषी अधिकारियों के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई और एनटीए के महानिदेशक के खिलाफ अभी तक कोई कदम क्यों नहीं उठाया गया। एनएसयूआई ने पुलिस एफआईआर से प्रभावित लोगों के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।

सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों पर हो रही कार्रवाई को लेकर चिंता जताई

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार को छात्र आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों पर हो रही कथित कार्रवाई को लेकर चिंता व्यक्त की। सौरव दास ने एक्स पर लिखा, हमें असम, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में अलग-अलग सरकारी एजेंसियों द्वारा छात्रों और दूसरे प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने, हिरासत में लेने या गिरफ्तार करने की कई खबरें मिल रही हैं जिन्हें लेकर हम बहुत चिंतित हैं। सीजेपी ने अपना देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन तभी रोका था जब सरकार ने हमें भरोसा दिलाया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ अभी या भविष्य में कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, हम हर प्रदर्शनकारी को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि हमारी कानूनी टीम संबंधित राज्यों के बेहतरीन वकीलों के साथ मिलकर हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने और हर संभव कानूनी मदद पहुंचाने के लिए काम कर रही है। यह काम पहले दिन से ही हो रहा है। दूसरी बात, हम सरकार, खासकर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह से अपील करते हैं कि वे हमें दिए गए भरोसे का तुरंत सम्मान करें। वे हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करें और निर्देश दें कि देश में कहीं भी किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई जबरदस्ती या बदले की कार्रवाई न हो। दर्ज की गई प्राथमिकी भी वापस ली जानी चाहिए। सौरव ने कहा कि देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन को रोकने का हमारा फैसला नेक नीयत से और पूरी तरह सरकार के इस भरोसे पर लिया गया था कि वह अपनी बात पर कायम रहेगी। उस भरोसे से पीछे हटना न केवल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के साथ विश्वासघात होगा बल्कि उन लाखों युवा भारतीयों के भरोसे को भी तोड़ना होगा जिन्होंने विरोध-प्रदर्शन के बजाय बातचीत का रास्ता चुना था। युवाओं के लिए ऐसा विश्वासघात बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं होगा।

पंजाब में पेपर लीक का आरोप निराधार, शिक्षा में सुधार को बदनाम करने की कोशिश : केजरीवाल

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में पेपर लीक के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक दुष्प्रचार बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब को शिक्षा के क्षेत्र में देश में 27वें स्थान से पहले स्थान पर पहुंचाने का काम आम आदमी पार्टी सरकार ने किया है और इसी उपलब्धि को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की 10 वर्ष और पंजाब में पांच वर्ष की सरकार के दौरान एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। इसके विपरीत कई राज्यों में लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आती रही हैं। उन्होंने कहा कि अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए पंजाब पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस परीक्षा को लेकर पेपर लीक का आरोप लगाया जा रहा है, उसमें दो परीक्षा केंद्रों पर कुछ अभ्यर्थियों ने स्मार्ट पेन के माध्यम से नकल का प्रयास किया था। परीक्षा के दौरान ही संबंधित अभ्यर्थियों को पकड़ लिया गया और उनकी कोशिश विफल कर दी गई। केजरीवाल ने कहा कि यह पेपर लीक का मामला नहीं, बल्कि नकल का प्रयास था, जिसे समय रहते रोक दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने से पहले पंजाब शिक्षा के क्षेत्र में देश में 27वें स्थान पर था, जबकि अब राज्य ने केरल को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास पंजाब सरकार के खिलाफ कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए शिक्षा व्यवस्था को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। छात्र आंदोलन के संदर्भ में उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद बिहार, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, मुकदमे और लाठीचार्ज किए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार अपने वादों पर कायम नहीं है। पेपर लीक रोकने के लिए नए कानून लाने के मुद्दे पर केजरीवाल ने कहा कि केवल कठोर कानून बनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की पेपर लीक माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने की नीयत नहीं है। यदि सरकार गंभीर होती तो पहले से मौजूद कानूनों के तहत प्रभावी कार्रवाई कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाती। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी किसी भी कठोर कानून का स्वागत करेगी, लेकिन सबसे आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति और निष्पक्ष कार्रवाई है।

प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट हटाने में जुटी दिल्ली पुलिस, सीजेपी आंदोलन से जुड़े 450 डीपफेक अकाउंट भी रडार पर

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 37 दिन तक चले आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और टिप्पणियां साझा किए जाने के मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है।

पुलिस ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी कर ऐसे सभी कंटेंट को हटाने के निर्देश दिए हैं, जिनमें कथित रूप से अभद्र भाषा, अपमानजनक टिप्पणी या आपत्तिजनक सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही पुलिस ने आंदोलन से जुड़े करीब 450 सोशल मीडिया अकाउंट भी चिह्नित किए हैं, जिन पर डीपफेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार भ्रामक सामग्री प्रसारित करने का आरोप है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री की निगरानी का अभियान लगातार जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट और वीडियो अपलोड किए गए थे, जिनमें से कई को हटाया जा चुका है। अन्य आपत्तिजनक सामग्री की भी पहचान की जा रही है और उसे हटाने की प्रक्रिया जारी है।

अधिकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग सोशल मीडिया कंपनियों को नोटिस जारी कर प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा, आपत्तिजनक टिप्पणी और अपमानजनक कंटेंट वाले पोस्ट हटाने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत अन्य प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर रख रही है। जैसे ही कोई आपत्तिजनक पोस्ट सामने आता है, संबंधित प्लेटफॉर्म को उसे हटाने के लिए नोटिस भेजा जाता है।

सूत्रों का कहना है कि आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ अनुचित भाषा का इस्तेमाल करते हुए कई पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल किए गए थे। इन्हीं पोस्ट की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि ऑनलाइन माध्यमों पर कानून का उल्लंघन करने वाली सामग्री के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जांच के दौरान दिल्ली पुलिस ने करीब 450 सोशल मीडिया अकाउंट भी चिह्नित किए हैं, जिनसे कथित तौर पर आंदोलन से जुड़े डीपफेक वीडियो और एआई जनरेटेड कंटेंट प्रसारित किया गया। पुलिस ने इन अकाउंट्स को ब्लॉक कराने की सिफारिश संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से की है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इन अकाउंट्स के पीछे कौन लोग या संगठन सक्रिय थे और इनका उद्देश्य क्या था। उल्लेखनीय है कि शनिवार को केंद्र सरकार द्वारा प्रमुख मांगें स्वीकार किए जाने के बाद सीजेपी ने अपना 37 दिन पुराना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी। संगठन की प्रमुख मांगों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी शामिल था।

जन्तर-मन्तर आंदोलन की गहन जांच और दोषियों पर राष्ट्रद्रोह की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 27 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर नीट परीक्षा को लेकर 20 जून से 25 जुलाई 2026 तक चले धरना-प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा कथित दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पत्र में गोयल ने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान देश को अस्थिर करने और भारत को बांग्लादेश तथा नेपाल जैसी स्थिति में धकेलने की साजिश रची गई। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को संसद कूच के दौरान हुई हिंसा, पुलिसकर्मियों पर हमले, सोशल मीडिया के माध्यम से कथित भड़काऊ प्रचार और विदेशी समर्थन जैसे मामलों की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ राष्ट्रद्रोह सहित कठोर धाराओं में कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने अपने पत्र में दावा किया कि संसद कूच के दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी बिना अनुमति संसद की ओर बढ़े, पुलिस पर पथराव और हमले हुए तथा कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के जरिए आंदोलन को उकसाने का प्रयास किया गया। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से संचालित सोशल मीडिया खातों द्वारा भ्रामक सामग्री प्रसारित की गई तथा आंदोलन को लंबा खींचने के लिए विदेशी समर्थन की कोशिशें हुईं। जय भगवान गोयल ने पत्र में कई राजनीतिक नेताओं और संगठनों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने आंदोलन को राजनीतिक रूप देने का प्रयास किया। साथ ही उन्होंने मांग की कि आंदोलन के दौरान कथित रूप से हिंसा, अव्यवस्था और भड़काऊ गतिविधियों में शामिल सभी व्यक्तियों और संगठनों की निष्पक्ष जांच कर उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

पत्र में उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेकर स्थिति को शांत करने का निर्णय दूरदर्शिता का परिचायक था और इससे देशभर में संभावित तनाव को नियंत्रित करने में मदद मिली। उन्होंने सरकार की इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए मांग की कि पूरे प्रकरण की गहन जांच कर सच्चाई देश के सामने लाई जाए। गोयल ने इस संबंध में अपने पत्र की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली पुलिस आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी भेजी है।

कांवड़ शिविरों के लिए अनुदान राशि बढ़ी, बड़े शिविरों को मिलेंगे 15 लाख

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार कांवड़ यात्रा-2026 को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए एक बड़ा निर्णय लेने जा रही है।

उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा बदलाव बड़े कांवड़ शिविरों के लिए किया गया है। अब 20,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में 6 से 12 दिन तक संचालित होने वाले कांवड़ शिविरों को मिलने वाली सहायता 11 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दी जाएगी। इसी प्रकार, 20,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्र वाले 3 से 5 दिन के शिविरों के लिए सहायता राशि 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 9 लाख रुपये की जाएगी। यह निर्णय कांवड़ समितियों पर बढ़ते आर्थिक बोझ को कम करने और श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि अन्य सभी श्रेणियों के कांवड़ शिविरों की सहायता राशि में भी वृद्धि की जाएगी। 15,001 से 20,000 वर्गफुट तक के शिविरों के लिए 3 से 5 दिन की अवधि में सहायता 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये और 6 से 12 दिन की अवधि में 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 9 लाख रुपये की जाएगी। 10,001 से 15,000 वर्गफुट तक के शिविरों के लिए सहायता 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 6 लाख रुपये और 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की जाएगी। 5,001 से 10,000 वर्गफुट तक के शिविरों के लिए सहायता 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये और 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये की जाएगी। वहीं 5,000 वर्गफुट तक के छोटे शिविरों के लिए सहायता 1.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये और 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कांवड़ यात्रा का स्वरूप लगातार बड़ा होता जा रहा है। वर्ष 2024 में जहां 170 कांवड़ शिविर लगाए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में इनकी संख्या बढ़कर 308 हो गई। इसी बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है, ताकि श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी समितियों को पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिल सके।

भाजपा पार्षद सत्या शर्मा एक बार फिर मिली एमसीडी स्थायी समिति की कमान, सत्यपाल सिंह बने उपाध्यक्ष

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए सोमवार को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में चुनाव हुआ। वार्ड संख्या-226 गौतमपुरी से पार्षद सत्या शर्मा स्थायी समिति के अध्यक्ष पद के लिए तथा वार्ड संख्या-248 करावल नगर वेस्ट से पार्षद सत्यपाल सिंह स्थायी समिति के उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए।

निर्वाचन के उपरांत सत्या शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अपना विजन बताते हुए कहा कि आगामी कार्यकाल की कार्ययोजना पांच प्रमुख संकल्पों पर आधारित होगी। जिसमें स्वच्छ, स्वस्थ, शिक्षित, सुशासन दिल्ली और सशक्त निगम के साथ कार्य किया जाएगा।

सत्या शर्मा ने कहा कि पिछले कार्यकाल की तरह इस बार भी स्थायी समिति को स्वस्थ एवं सकारात्मक संवाद का मंच बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति में पक्ष और विपक्ष के सभी पार्षदों को समान रूप से अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा तथा प्रत्येक जनहित विषय पर लोकतांत्रिक एवं सार्थक चर्चा सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि उनके आगामी कार्यकाल की सबसे बड़ी प्राथमिकता वर्ष 2022 के एमसीडी चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिल्ली की जनता से किए गए वादों को धरातल पर उतारना तथा जनहित के विकास कार्यों को गति देना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में स्थायी समिति के बजट में घोषित जनहितकारी योजनाओं एवं विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से राजधानी में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। भलस्वा, ओखला एवं गाजीपुर के कूड़े के पहाड़ लगातार छोटे हो रहे हैं तथा उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाप्त करने के लिए गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था, ठोस कचरा प्रबंधन, पार्कों के विकास, सड़कों के रखरखाव एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सत्या शर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा निगम को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए जाने के कारण निगम कर्मचारियों को प्रत्येक माह की पहली तारीख को समय पर वेतन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर फंड उपलब्ध होने से निगम की अनेक विकास परियोजनाओं एवं जनहितकारी योजनाओं को भी निर्धारित समय पर पूरा किया जा रहा है, जिससे विकास कार्यों को गति मिली है और नागरिक सुविधाओं में निरंतर सुधार सुनिश्चित हुआ है।

उन्होंने निगम के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, सभी दलों के पार्षदों एवं दिल्लीवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से दिल्ली नगर निगम को और अधिक सशक्त, पारदर्शी तथा जनसेवा के प्रति समर्पित संस्था बनाया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर ज्वेलरी का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरफ्तार, डिजिटल ट्रेल से साइबर पुलिस पहुंची आरोपित तक

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। इंस्टाग्राम पर आकर्षक ज्वेलरी विज्ञापन डालकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले साइबर गिरोह के एक सदस्य को मध्य जिला की साइबर थाना पुलिस ने हरियाणा के पलवल से गिरफ्तार किया है। आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली की एक महिला से ज्वेलरी बेचने के नाम पर 1.16 लाख रुपये की ठगी की थी। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम को बैंक खातों में रखने के बजाय दो अलग-अलग कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने में इस्तेमाल किया गया, ताकि मनी ट्रेल छिपाई जा सके। पुलिस अब फरार आरोपी शमीम और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने सोमवार को बताया कि 15 फरवरी को साइबर थाने में एक महिला ने शिकायत दी थी। महिला ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर ज्वेलरी का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल की, लेकिन कॉल नहीं लगी। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ज्वेलरी विक्रेता का प्रतिनिधि बताया और फिर व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू कर दी।

आरोपित ने महिला का भरोसा जीतकर ज्वेलरी भेजने का झांसा दिया। महिला ने 14 फरवरी को अलग-अलग यूपीआई और पेटीएम ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 1,16,975 रुपये ट्रांसफर कर दिए।

भुगतान के बाद न तो ज्वेलरी मिली और न ही आरोपितों ने संपर्क किया। इसके बाद महिला को ठगी का एहसास हुआ और उसने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच के लिए एसआई दीपक, हेड कांस्टेबल संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल परमवीर और महिला कांस्टेबल मेघा की टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी और वित्तीय साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि ठगी की रकम में से 97,580 रुपये एक कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने में इस्तेमाल हुए, जबकि 19,395 रुपये गुजरात निवासी जाफरू के नाम पर जारी दूसरे क्रेडिट कार्ड में जमा किए गए। आगे की जांच में खुलासा हुआ कि इनमें से एक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अंकित ठाकुर (26) कर रहा था। पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर हरियाणा के पलवल जिले के होडल में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में बल्लभगढ़ निवासी 35 वर्षीय एक महिला को भी कानूनी प्रक्रिया के तहत बाउंड डाउन किया गया है। पूछताछ में अंकित ने बताया कि वह क्रेडिट कार्ड से जुड़े सिम का इस्तेमाल ओटीपी प्राप्त करने और फर्जी ट्रांजैक्शन को मंजूरी देने के लिए करता था।

इसके बदले वह संबंधित महिला को 5 से 10 हजार रुपये देता था। उसने यह भी कबूल किया कि ठगी की रकम का इस्तेमाल करने के बाद पैसा अपने साथी शमीम को सौंप देता था। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम में से 10 प्रतिशत हिस्सा अंकित को मिलता था, जबकि 90 प्रतिशत रकम शमीम अपने पास रखता था। पुलिस के अनुसार, गिरोह पहले इंस्टाग्राम पर भारी छूट वाले फर्जी ज्वेलरी विज्ञापन पोस्ट करता था। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर कॉल करने पर कॉल जानबूझकर रिसीव नहीं की जाती थी। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से कॉल कर खुद को ज्वेलरी कंपनी का प्रतिनिधि बताया जाता था।

इसके बाद व्हाट्सएप के जरिए बातचीत कर पीड़ित का विश्वास जीता जाता और ऑनलाइन भुगतान करा लिया जाता था। रकम मिलते ही उसे तुरंत दूसरे लोगों के क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने में इस्तेमाल कर मनी ट्रेल छिपा दी जाती थी। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन, एक सक्रिय जियो सिम और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। पुलिस अब फरार आरोपित शमीम की तलाश के साथ-साथ पूरे साइबर ठगी नेटवर्क, अन्य लाभार्थियों और इसी तरीके से ठगे गए दूसरे पीड़ितों का पता लगाने में जुटी है।

मालवीय नगर अग्निकांड में गिरफ्तार कूक केशर नेगी को जमानत

नई दिल्ली, 27 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने मालवीय नगर अग्निकांड के मामले में गिरफ्तार कूक केशर नेगी को जमानत दे दी है। एडिशनल सेशंस जज समर विशाल ने जमानत देने का आदेश दिया। इसके पहले कोर्ट ने 8 जून को केशर नेगी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। दिल्ली पुलिस ने जून में केशव नेगी को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में केशर नेगी के अलावा होटल के मालिक लवकेश बजाज और मैनेजर जय मिश्रा को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक केशव नेगी इलेक्ट्रिक स्टोव पर खाना बना रहा था तभी उसमें ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट के बाद नेगी ने पावर सप्लाई बंद कर दी जिससे होटल के इलेक्ट्रॉनिक दरवाजे बंद हो गए और कई लोग होटल के अंदर ही फंसे रह गए। होटल में 2 कमरे थे। होटल से निकलने के लिए केवल एक ही रास्ता था। होटल की खिड़कियों को स्थायी रुप से बंद कर दिया गया था और सेंसर संचालित मुख्य दरवाजा था। तीन जून को मालवीय नगर के एक होटल में सुबह करीब आठ बजे भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में बेसमेंट में फंसे कई लोगों की धुएं और आग की चपेट में आने से मौत हो गई थी।

भविष्यफल

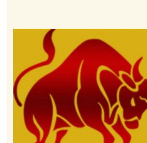

मेष- अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

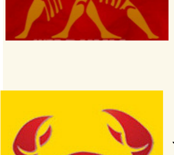

मिथुन- जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क- परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है। अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

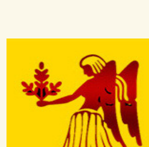

सिंह- नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

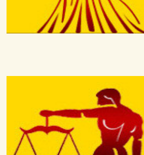

कन्या- धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

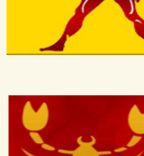

तुला- सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती के लिए मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक- उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा ब$ढाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु- लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

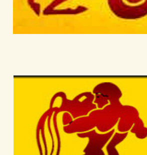

मकर- आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

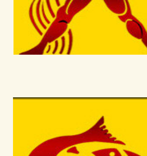

कुंभ- अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

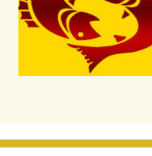

मीन- व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

दुनिया का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल स्टैबिलाइजेशन प्लांट अब्कैक हुआ धुआं-धुआं

सऊदी सरकार की रिफाइनरी पर ड्रोन अटैक, लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

सबसे अहम ऊर्जा केंद्रों में से एक की सुरक्षा पर फिर गंभीर सवाल खड़े हुए

● रियाद / (एजेंसी)

सऊदी अरब में स्थित सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको के अब्कैक ऑयल प्रोसेसिंग प्लांट और पाइपलाइन के पंपिंग स्टेशन पर ड्रोन हमले के बाद भीषण आग लग गई। उपग्रह आधारित सर्विलांस सिस्टम नासा फर्म्स की सैटेलाइट तस्वीरों में संयंत्र के आसपास बड़े पैमाने पर आग लगी दिखी, जिससे ऑयल सेंटर को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि सऊदी अफसरों ने नुकसान का आकलन अभी सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन घटना ने दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा केंद्रों में से एक की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब्कैक दुनिया का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल स्टैबिलाइजेशन प्लांट माना जाता है। यहां सऊदी अरब के बड़े हिस्से का कच्चा तेल निर्यात से पहले प्रोसेस्ड किया जाता है। अनुमान है कि यह संयंत्र वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग 5 से 7 प्रतिशत हिस्से की प्रोसेसिंग से जुड़ा है। ऐसे में यहां किसी भी प्रकार की बाधा का असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ सकता है। जानकारों का मानना है कि अगर संयंत्र की उत्पादन क्षमता लंबे समय तक प्रभावित रहती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है।

ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों को ठहराया गया जिम्मेदार

सऊदी अरब ने इस हमले के लिए इराक में सक्रिय ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। सऊदी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ड्रोन इराकी क्षेत्र से छोड़े गए थे और उनका मकदस तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना था। विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि देश अपनी सुरक्षा और अहम बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए उचित जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। साथ ही इराक से अपने क्षेत्र का उपयोग ऐसे हमलों के लिए न होने देने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की गई है।

पश्चिम एशिया के एनर्जी इंफ्रा पर लगातार बढ़ रहे खतरे

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया में तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है और क्षेत्र की ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। अब्कैक संयंत्र पर अतीत में हुए हमलों का भी वैश्विक तेल कीमतों पर बड़ा असर पड़ा था। इसलिए इस ताजा घटना पर अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा क्षेत्र की नजर बनी हुई है। फिलहाल सऊदी अधिकारी स्थिति पर नियंत्रण पाने और नुकसान का आकलन करने में जुटे हैं, जबकि निवेशक संभावित आपूर्ति रुकावट और तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव को लेकर सतर्क हैं। ऐसे सभी पार्टनर्स लगातार बदलते घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

ट्रम्प ने शेयर की ईरान पर हमले की एआई तस्वीरें

वॉशिंगटन, यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एआई से बनी अपनी कई तस्वीरें ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में यूएस सेना की ईरान के खिलाफ जीत दिखाई है। ट्रम्प खुद इन तस्वीरों में कहीं ईरान के तेल टैंकर को जब्त करते हुए तो कहीं ईरानी द्वीपों पर बमबारी करते दिख रहे हैं। ट्रम्प ने ये तस्वीरें ऐसे समय शेयर की हैं, जब दो हफ्ते की लड़ाई के बाद दोनों पक्षों ने हमले रोक दिए हैं और वार्ता शुरू होने की उम्मीद की जा रही है लेकिन ये इमेज कुछ अलग तस्वीर पेश करती हैं। एक्सपर्ट इसे अमेरिका के ईरान पर बड़े हमले के संकेत की तरह देख रहे हैं। साझा की गई एक तस्वीर में ट्रम्प यूएस झंडे के साथ एक टैंकर पर खड़े दिख रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में लड़ाकू विमान खार्ग सुविधा केंद्र पर बमबारी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें ट्रम्प ने खुद को दुनिया का रक्षक कहा है। ये तस्वीरें ट्रम्प के ईरान के तेल व्यापार को निशाना बनाने का संकेत देती है। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। डोनाल्ड ट्रम्प की हालिया पोस्ट होर्मुज के आसपास समुद्र में चल रही प्रवर्तन गतिविधियों के अनुरूप, ईरान पर अमेरिकी सैन्य दबाव जारी रहने का संकेत देती हैं।

पीओके में शुरू हुआ दिखावटी चुनाव असीम मुनीर के खिलाफ उग्र प्रदर्शन

● इस्लामाबाद / (एजेंसी)

पीओके में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए वोटिंग हो रही है। मीरपुर डिवीजन में 14 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड वोटर अपने वोट डालेंगे। यह वोटिंग उस वक्त हो रही है जब पीओके में उग्र प्रदर्शन चल रहे हैं। वहीं कई विपक्षी पार्टियों ने पाक सेना पर दखल देने का आरोप लगाते हुए चुनाव का बहिष्कार करने का आह्वान किया है।

पीओके के मीरपुर, भीमबर और कोटली जिलों के 13 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। चुनाव अफसरों के मुताबिक इस प्रक्रिया के लिए 2,500 से ज्यादा पोलिंग स्टेशन बनाए हैं और वोटिंग के दिन से पहले ही सभी जिलों में चुनाव का सामान भेज दिया गया था।

पीओके सरकार ने वोटरों की भागीदारी को आसान बनाने के लिए मीरपुर डिवीजन में 27 जुलाई को सार्वजनिक छुट्टी का भी ऐलान किया है। इस चुनाव में भी पहले की

ही तरह पाक की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों का ही दबदबा रहने की उम्मीद है जिनमें पीएमएलएन, पीपीपी और आईपीपी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस चरण में जिन 13 सीटों पर चुनाव हो रहा है उनके लिए लगभग 300 उम्मीदवार मैदान में हैं।

पाक सेना के खिलाफ नारेबाजी

अकेले कोटली जिले में छह विधानसभा सीटों के लिए 135 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं जबकि मीरपुर और भीमबर जिलों में 7,50,000 से ज्यादा वोटर सात सीटों के नतीजे तय करेंगे। पाक सेना पीओके में होने वाले चुनाव को तय करती है और दखल खत्म करने के लिए ही पीओके में कई महीनों से विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं।

लंबे समय से यह आरोप लगाते रहे हैं कि शक्तिशाली सेना सुरक्षा और प्रशासनिक संस्थाओं पर अपने नियंत्रण के जरिए पाक और पीओके में राजनीतिक नतीजों को प्रभावित करती है।

कनाडा में भारतीय मूल की युवती की हत्या

ओटावा, आरएनएन। टोरंटो शहर में भारतीय मूल की महिला नवनीत कौर (26) की सुनियोजित हमले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में भारतीय मूल के शरणजीत सिंह को गिरफ्तार किया है।

टोरंटो पुलिस सर्विस ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि गोलीबारी की घटना शुक्रवार सुबह हंबरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के चौराहे पर हुई। पुलिस के अनुसार, सुबह लगभग 7:23 बजे गोली चलने की सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां नवनीत कौर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल मिलीं। उन्हें बचाने के लिए तत्काल प्रयास किए गए, लेकिन कुछ देर बाद ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

आरोपी शरणजीत गिरफ्तार

डीआरडीओ व सेना से संबंधित 31 जीबी डाटा बेचने की कोशिश

तिरुवनंतपुरम, आरएनएन। असामाजिक तत्व कथित रूप से डीआरडीओ एवं भारतीय सेना से संबंधित 31 जीबी डाटा बेचने की कोशिश कर रहा है, जिससे रक्षा-संबंधी सूचना के संभावित लीक की चिंताएं बढ़ गई हैं। एलाबाई ग्लोबल थ्रेट इंटेलिजेंस समूह की यह डाटा दो हफ्ते से बिकाऊ है।

सैम-एलन की भविष्यवाणी से दुनिया में नई बहस छिड़ी

अगले 5 सालों में इंसानों से आगे निकल जाएगा एआई

● वाशिंगटन / (हि.स.)

आज तक एआई को भविष्य की टेक्निक माना जाता था, लेकिन अब ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और टेस्ला और एक्स के प्रमुख एलन मस्क की एआई को लेकर अहम बात कीं। एक ओर जहां सैम ऑल्टमैन का कहना है कि, दुनिया एआई सिंगुलैरिटी के दौर में प्रवेश कर चुकी है। वहीं एलन मस्क ने दावा किया है कि, अगले पांच सालों में एआई इंसानी समझदारी से आगे निकल सकता है। इन दोनों बयानों ने एआई के भविष्य और उसके असर पर नई बहस छेड़ दी है।

एआई सिंगुलैरिटी उस काल्पनिक मोड को कहा जाता है। जब एआई इंसानी दिमाग के बराबर या फिर उससे आगे निकल जाए. इसके बाद एआई खुद को पहले से और कही ज्यादा बेहतर बनाने लगे। वो अपनी ग्रोथ को इतना फास्ट कर ले कि इंसानों के लिए उसकी स्पीड

को समझना या फिर कंट्रोल करना मुश्किल हो जाए। ऑल्टमैन ने हाल ही में बताया कि दुनिया अब उस दौर में पहुंच चुकी है, जिसे लंबे समय से एआई सिंगुलैरिटी कहा जाता रहा है। उनके मुताबिक अब एआई कई मामलों में इंसानों की योग्यता को बढ़ा रहा है और ये बदलाव धीरे-धीरे हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनते जा रहा है. उनका मानना है कि, ये कोई अचानक से नहीं हुआ, बल्कि ये लगातार आगे बढ़ने की एक प्रोसेस है।

एलन मस्क की चेतावनी: एलन मस्क ने हालिया इंटरव्यू में कहा है कि, अगले पांच सालों के अंदर एआई इंसानों की समझदारी और अक्लमंदी से आगे निकल सकता है।

नेपाल में सांप्रदायिक झड़प में युवक की मौत

भारत-नेपाल सीमा पर आवाजाही बंद

● काठमांडू / (हि.स.)

भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के सुनसरी जिले में सांप्रदायिक झड़प के बाद तनाव फैल गया है। हिंसा में एक युवक की मौत हो गई, जबकि सुरक्षाकर्मियों समेत एक दर्जन लोग घायल हो गए। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में अनिश्चितकालीन निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

जिला प्रशासन के अनुसार, कोशी प्रांत के सुनसरी जिले के पांच प्रमुख बाजार क्षेत्रों में सोमवार सुबह सात बजे से अगले आदेश तक प्रतिबंधात्मक आदेश प्रभावी रहेगा। इस दौरान चार या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस, धरना, प्रदर्शन और जनसभाओं पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। रविवार रात देवगंज ग्राम पंचायत के कप्तानगंज इलाके में दो अलग-अलग धार्मिक समुदाय अपने-अपने कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। इसी दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल व धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया।

स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित करने की कोशिश की। इस दौरान की गई गोलीबारी में ओम प्रकाश मेहता (24) की मौत हो गई। झड़प में सुरक्षाकर्मियों सहित 12 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

पेरिस में चाकूबाजी तीन महिलाएं घायल

पेरिस, आरएनएन। पेरिस के प्लेस डे क्लिची इलाके के पास सोमवार सुबह 9:30 बजे चाकूबाजी की वारदात हुई। इसमें एक गर्भवती समेत तीन महिलाएं घायल हो गई हैं। घायलों में से दो महिलाओं की हालत बेहद गंभीर है।

फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि हमलावर ने रसोई में इस्तेमाल होने वाले दो चाकुओं से तीन महिलाओं पर हमला किया। यह हमला सुबह पेरिस के प्लेस डी क्लिशी इलाके में हुआ। यह घटना एक रेस्तरां और ट्राम स्टॉप के बीच हुई, जहां उस समय काफी लोग मौजूद थे।

घायलों में एक महिला के पेट और दूसरी के कमर के निचले हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां दो महिलाओं का इलाज गंभीर हालत में चल रहा है। हमले के बाद आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वहां मौजूद एक ऑफ-ड्यूटी पुलिस अधिकारी ने बहादुरी दिखाते हुए उसे पकड़ लिया।

एनएफआर ने पहली कंटेनर मालगाड़ी सीधी नेपाल भेजी

इतिहास रचा

● मालीगांव / राज न्यूज नेटवर्क

भारत - नेपाल रेल कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने कैनोला खेप के 40 वैगनों वाले वाणिज्यिक कंटेनर गुड्स ट्रेन ने हाल ही में कोलकाता बंदरगाह से नेपाल के विराटनगर कस्टम्स यार्ड तक अपनी पहली सीधी यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की।

यह ऐतिहासिक परिवहन संशोधित भारत-नेपाल रेल पारगमन प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन का प्रतीक है और सीमा पार माल परिवहन के क्षेत्र में नए अध्याय की शुरूआत की है। संशोधित पारगमन व्यवस्था के तहत ट्रेन का परिचालन सुचारू रूप से हुआ, जिससे सीमा पर माल का ट्रांसशिपमेंट किए बिना कोलकाता बंदरगाह से बिराटनगर तक थोक माल की सीधी रेल आवाजाही संभव हो सकी। इससे पारगमन समय, लॉजिस्टिक्स लागत व माल की हैंडलिंग में उल्लेखनीय कमी आने के साथ-साथ दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापारिक दक्षता में सुधार हुआ। यह उपलब्धि जोगबनी (भारत) व बिराटनगर (नेपाल) के बीच ब्रॉडगेज रेल लिंक पर आधारित है।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

चित्रकूट, 27 जुलाई (ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों की सुविधा को देखते हुए विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने का अतिरिक्त अवसर प्रदान किया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पांडेय द्वारा जारी सूचना के अनुसार नियमित पी-एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि, जो पहले 20 जुलाई निर्धारित थी, अब 200 विलंब शुल्क के साथ 28 जुलाई 2026 तक कर दी गई है। इसी प्रकार बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर तथा चार वर्षीय समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के अंतर्गत संचालित बी.एससी.-बी.एड., बी.ए.-बी.एड. और बी.कॉम.-बी.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 3 अगस्त 2026 कर दी गई है। इन पाठ्यक्रमों के लिए भी अभ्यर्थियों को 200 विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने की सुविधा मिलेगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऐसे अभ्यर्थियों से अपील की है, जो किसी कारणवश निर्धारित समय सीमा में आवेदन नहीं कर सके थे, कि वे विस्तारित अवधि का लाभ उठाते हुए समय रहते अपना ऑनलाइन पंजीयन पूरा कर लें।

प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.gramodayachitrakoot.ac.in पर उपलब्ध है। वहीं ऑनलाइन पंजीयन https://gramodayachitrakootadm.samarth.edu.in के माध्यम से किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के दूरभाष 07670-265394 पर संपर्क कर सकते हैं।

11 जे-20 चीनी प्लेन भारतीय सीमा के पास तैनात

● नई दिल्ली , (एजेंसी)

खुलासा : वैंटॉर की ओर से जारी ताजा सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से बढ़ा तनाव

भारतीय सीमा के पास चीन ने अपने सबसे आधुनिक और पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट जे-20 माइटी ड्रैगन की तैनाती काफी बढ़ा दी है। वैंटॉर की ओर से जारी ताजा सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से खुलासा हुआ है कि चीन ने जून के आखिर और जुलाई की शुरुआत में भारत से सटे दो प्रमुख एयरबेस पर कम से कम 11 जे-20 लड़ाकू विमान तैनात किए थे। मीडिया रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से बताया गया कि चीन ने लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश से सटे इलाकों को निशाना

बनाते हुए अपने लड़ाकू विमानों की तैनाती की है। होतान एयरबेस पर शिनजियांग प्रांत में स्थित इस एयरबेस पर 9 जुलाई को 7 जे-20 लड़ाकू विमान रनवे पर खड़े दिखाई दिए। यह एयरबेस लद्दाख के लेह से 389 किमी दूर है, जबकि उत्तर लद्दाख में भारतीय वायु सेना की रणनीतिक हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) से इसकी दूरी महज 245 किमी है। यह पहला मौका है जब किसी मीडिया सैटेलाइट इमेज में एक साथ इतने छ्-20 विमान दिखे हैं।

दमशुंग एयरबेस: तिब्बत के ल्हासा क्षेत्र में स्थित दमशुंग एयरबेस पर 4 जे-20 फाइटर जेट्स स्पॉट किए गए हैं। यह एयरबेस अरुणाचल प्रदेश के तवांग से लगभग

विशेषज्ञों का क्या कहना है

रिपोर्ट में पूर्व फाइटर पायलट और रक्षा विशेषज्ञ समीर जोशी के अनुसार, होतान में सात और दमशुंग में चार जे-20 विमानों की मौजूदगी यह साफ करती है कि भारत के सामने अत्यधिक ऊंचाई वाले ठिकानों से पांचवीं पीढ़ी के जेट्स का ऑपरेशन अब चीन की वायुसेना के लिए एक सामान्य प्रक्रिया बन चुका है। पूर्व एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने चीन के रक्षा निर्माण की तेज रफ्तार पर कहा कि सालाना 120-125 जेट्स तैयार करना चीन की एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दर्शाता है।

प्रभात झा ने विचार, संगठन और लेखनी से भाजपा को दी नई दिशा: राज भूषण चौधरी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा की दूसरी पुण्यतिथि पर रविवार को हिंदी भवन, नई दिल्ली में प्रभात झा : व्यक्ति एवं कृतित्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने प्रभात झा के व्यक्तित्व, संगठन क्षमता और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने कहा कि प्रभात झा के विचारों ने पीढ़ियों का मार्ग आलोकित किया। उन्होंने अपने विचार, लेखनी, संगठन क्षमता और राष्ट्र समर्पित जीवन से भारतीय जनता पार्टी को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि प्रभात झा एक सजग पत्रकार, संवेदनशील लेखक, कुशल संगठनकर्ता और

राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले कर्मयोगी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि प्रभात झा बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने सत्य के धर्म और संगठन के अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखा। राय ने सुझाव दिया कि प्रभात झा की स्मृति में प्रत्येक वर्ष स्मारक व्याख्यान आयोजित किए जाएं और उनके विचारों तथा लेखन को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए।

विशिष्ट अतिथि एवं पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा कि प्रभात झा विचारों की स्पष्टता और मृदुल स्वभाव के प्रतीक थे। उन्होंने लोगों का विश्वास जीता और अपने कार्यों से संगठन में अलग पहचान बनाई।

कमल संदेश के संपादक शिव शक्ति नाथ बक्सी ने कहा कि प्रभात झा नेपथ्य में रहकर संगठन को मजबूत करने वाले नेताओं में थे। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज कुमार झा ने कहा कि कार्यकताओं को जोड़ना और उन्हें साथ लेकर चलना प्रभात झा की सबसे बड़ी विशेषता थी। इस अवसर पर प्रभात झा : व्यक्ति एवं कृतित्व तथा नवभारत का न्याय दर्शन पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजीव सिन्हा ने किया, जबकि शरत झा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार अवधेश कुमार, मनोज मिश्र, विधायक अभय वर्मा, भाजपा पूर्वांचल मोर्चा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संतोष ओझा, विद्यानंद ठाकुर, तुष्मुल झा, अंजनी झा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एनटीए सुधारों के लिए उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन स्वागतयोग्य, परीक्षा प्रणाली होगी अधिक पारदर्शी: अभाविप

नई दिल्ली, 27 जुलाई (ब्यूरो)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में व्यापक सुधारों के लिए भारत सरकार द्वारा बहु-विषयक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स के गठन का स्वागत किया है। परिषद ने इसे विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए कहा कि इससे परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकेंगे।

अभाविप ने कहा कि नीट-यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताओं के बाद संगठन लगातार परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत सुधारों की मांग करता रहा है। परिषद ने प्रतियोगी परीक्षाओं की पूरी व्यवस्था की समीक्षा कर समयबद्ध सुधारों के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। ऐसे में सरकार द्वारा टास्क फोर्स का गठन उसकी महत्वपूर्ण मांग पूरी होने जैसा है।

परिषद का मानना है कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता केवल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई से सुनिश्चित नहीं होगी, बल्कि इसके लिए संस्थागत, तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर व्यापक सुधार तथा उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी आवश्यक है। अभाविप ने परीक्षा माफिया के खिलाफ फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना, प्रशासनिक बदलाव, कठोर कानूनी प्रावधानों और अब एनटीए सुधारों के लिए उठाए गए कदमों को सकारात्मक पहल बताया।

सरकार द्वारा गठित इस टास्क फोर्स की अध्यक्षता इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी करेंगे। इसमें पूर्व इसरो अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ, पूर्व आईबी निदेशक तपन डेका, आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि, पूर्व शिक्षा सचिव अनीता करवाल तथा लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ अमृत लाल मीणा जैसे विशेषज्ञ शामिल हैं।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी परीक्षा में इस विश्वास के साथ शामिल होता है कि उसकी मेहनत का निष्पक्ष मूल्यांकन होगा।

इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह टास्क फोर्स समयबद्ध और प्रभावी सिफारिशों के माध्यम से परीक्षा व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अभाविप आगे भी विद्यार्थियों के न्यायोचित मुद्दों के समाधान और शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक सुधारों के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

संपादकीय

छात्र आंदोलन का जंतर मंतर से राष्ट्रव्यापी हो जाना

जंतर मंतर से शुरू हुए छात्र आंदोलन का महज 25 दिनों मे राष्ट्रव्यापी हो जाना राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन का विषय हो सकता है। अध्ययन के साथ यह सरकार के सोचने का विषय भी है की जब देश के चारो तरफ गुड़ फील महसूस किया जा रहा है, तो फिर ये अचानक देश की जनता को क्या हुआ जो सरकार के विरोध मे इतने बड़े स्तर पर आंदोलित होने लगी। छात्रों का यह आंदोलन 20 से 25 दिनों मे भारत के आमजन का आंदोलन कैसे बन गया। सोच विचार और अध्ययन का विषय यह भी हो सकता है, जब देश के मिडिया का बड़ा हिस्सा छात्रों के आंदोलन की गतिविधियों को प्रचारित और प्रकाशित करने से गुरेज कर रहा हो, तब इतने अल्प समय मे काकरोच जनता पार्टी का सन्देश गाँव-गांव, घर-घर तक कैसे पहुँचा, छात्र सहित छात्रों के अभिभावको ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देने का निर्णय लिया। आखिर कैसे जंतर मंतर पहुंचने के आह्वान पर सम्पूर्ण भारत से लोग बिना किसी प्रबंध के स्वविवेक से निर्भय होकर दिल्ली के आंदोलन मे शामिल होने लगे, जो दिल्ली नहीं जा सके उन्होंने अपने शहर के आंदोलन मे जाना उचित समझा। आंदोलन किसी निश्चित उद्देश्य या विचार की पूर्ति के लिए लोगो द्वारा किया गया संगठित और सामूहिक प्रयास होता है। इसका मुख्य उद्देश्य अन्याय, शोषण, अव्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करना समाज, राजनीति और अर्थ व्यवस्था मे बदलाव लाना होता है। दिल्ली के जंतर मंतर पर उभरा आंदोलन शिक्षा व्यवस्था मे आमूलचूल परिवर्तन, नीट पेपर लिक मामले मे 22 छात्रों की आत्महत्याएं और लाखों छात्रों के अंधकार मे डुबते भविष्य को जवाबदेही लेते हुए भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तिफे की मांग को लेकर शुरू हुआ। यह आंदोलन नव गठित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले शुरू हुआ। जैसा की सत्ता पर काबिज दल की नीति है, अपने खिलाफ उठी आवाज को राष्ट्र विरोधी बताकर भयभीत किया जाता रहा है। अपनी आदत अनुसार विदेशी फंडिंग, डफली वाली गैंग, अर्बन नक्सल, आंदोलन जीवी, आतंकवादी जैसे शब्दों से सम्बोधित किया जाने लगा। अभिजीत दीपके सहित तमाम छात्रों को विदेशी ऐजेंट बताया जाने लगा। जब इस आंदोलन को पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुग ने समर्थन किया, वें अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे तो उन्हें भारत विरोधी चीन का जासूस कहना आरम्भ कर दिया। यह शब्द भारतीय जनमानस को चुभने लगे। तिरंगा हाथ मे उठाकर भारत माता की जय जयकार करने वाले, देशभक्ति के तरानों पर झूमने वाले, अपने हाथों मे भगतसिंह और अम्बेडकर की तस्वीर टॅगे युवाओं को सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा लगातार अपमानित करना देश के छात्रों और आमजन को नागवार गुजरा। सोनम वांगचुग की भूख हड़ताल से जबरदस्ती उठाना भी आग मे घी का काम कर गया। सोशयल मिडिया जंतर मंतर के वीडियो और संदेशो से भर गया। सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए सबसे बड़ा प्रयास एवं अलोकतान्त्रिक रवैय्या जब सामने आया जब 20 जुलाई को चलो संसद अभियान मे देश भर से शामिल छात्र-छात्राओं और आमजन पर बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया, अश्रुगैस के गोले छोड़े गए, रबर की गोलियों से हजारों छात्र-छात्राओं को घायल किया गया। दिल्ली पुलिस की इस बर्बरता पूर्ण कार्यवाही के बाद देश भर मे सरकार के प्रति आमजन का गुस्सा फुट पड़ा।

स्मृतियों में जिम कॉर्बेट

प्रयाग पाण्डे

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथा लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट की 151वीं जयंती 25 जुलाई के साथ खामोशी के साथ गुजर गई। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं। जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी। जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी मां का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था। जिम कॉर्बेट की ख्याति कुशल शिकारी और शिकार कथा लेखक के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे गोरा साधु की संज्ञा दी थी। जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश- विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। इस वजह से उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था। जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए। जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे। जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्त्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता। 1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता। जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब माय इंडिया हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने माय इंडिया की प्रस्तावना में लिखा, जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूं, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे- सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं, जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर 'हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे' कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूं और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूं। यही वो लोग हैं जिनके बारे में बताने की कोशिश मैं इस किताब के पन्नों में करूंगा और यह किताब मैं अपने उन्हीं दोस्तों के नाम करता हूं। हिंदुस्तान के गरीबों के नाम। जिम कार्बेट और उनकी बहन मारग्रेट विनिफर्ड मैगी ने 30 नवंबर, 1947 को भारी मन से नैनीताल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। वे रोते- बिलखते सेवकों को छोड़कर केन्या की ओर चल पड़े। जिम कॉर्बेट और मैगी कभी नैनीताल नहीं छोड़ना चाहते थे। नैनीताल छोड़ते समय अपनी मनोदशा के बारे में जिम कॉर्बेट की बहन मैगी ने केन्या से अपने किसी मित्र को भेजे पत्र में लिखा था, जिस सुबह हम निकलने वाले थे, सुबह सबसे पहले हमने तालाब को देखा, सुबह की रोशनी में तालाब बेहद खूबसूरत दिख रहा था। तालाब की इस खूबसूरती को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है। हमारे नौकरों ने हमारा जाना आसान नहीं किया, वे रो रहे थे। उनके आंसू गालों से नीचे को लुढ़क रहे थे। जब हम पहाड़ी से नीचे उतर रहे थे, हमने मुड़कर उस घर (गर्नी हाउस) को देखा, जिस घर को अब हम दुबारा कभी नहीं देख पाएंगे।

जिम कॉर्बेट बेहतरीन शिकारी ही नहीं बल्कि उच्चकोटि के आदर्शवादी इंसान भी थे। वे आमदखोर जानवर को भी अपने बचाव का भरपूर अवसर देने के प्रबल पक्षधर थे। जिम कॉर्बेट के इस उच्च स्तरीय आदर्शवादिता को एक वाकये से बखूबी समझा जा सकता है। जब जिम कॉर्बेट मोहान के खूंखार नरभक्षी शेर को मारने के लिए घने जंगल में अकेले उसका पीछा कर रहे थे, एकाएक एक गहरी संकरी खाई में जिम कॉर्बेट और नरभक्षी शेर का प्रत्यक्ष आमना- सामना हो गया। शेर, चारे के रूप में लगाए गए कटड़े को खाकर संकरी खाई में टूटे वृक्ष के तने के नीचे आराम फरमा रहा था।

धरती की चेतावनी सुनिए

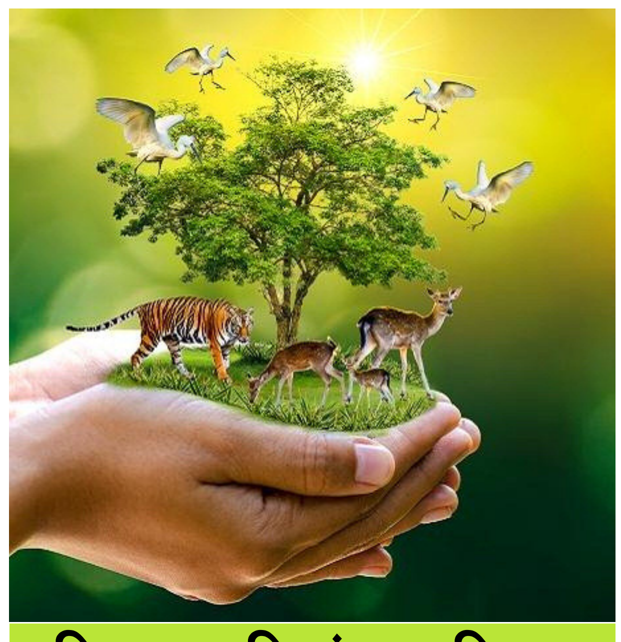

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है।

विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था। तब औद्योगिक इकाइयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था।

गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी।

पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे।

प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष?

प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफान, बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है।

दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गरमाहट के चलते हमें अकसर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गरमाहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विडंबना है कि लगातार प्रकृति का प्रचंड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

जलवायु परिवर्तन का वैश्विक संकट 2026

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 26 जुलाई 2026 तक विश्व के विभिन्न हिस्सों से जो समाचार सामने आए हैं,वे केवल अलग -अलग प्राकृतिक आपदाओं की खबरें नहीं हैं, बल्कि यह संकेत हैं कि पृथ्वी अब जलवायु परिवर्तन के ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहाँ चरम मौसम अपवाद नहीं, बल्कि नई वास्तविकता बनता जा रहा है। भारत के असम में विनाशकारी बाढ़,दिल्ली सहित उत्तर भारत में अत्यधिक वर्षा की चेतावनी, यूरोप के फ्रांस और स्पेन में भीषण जंगल की आग, अमेरिका और एशिया में लगातार गर्मी की लहरें तथा समुद्री तापमान में वृद्धि,ये सभी घटनाएँ एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। वैज्ञानिक वर्षों से चेतावनी देते रहे हैं कि यदि वैश्विक तापमान को नियंत्रित नहीं किया गया तो वर्षा,सूखा, बाढ़,चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएँ अधिक तीव्र और अधिक बार होंगी।आज यह भविष्यवाणी वास्तविकता का रूप ले चुकी है।असम में बाढ़ की स्थिति 18 जुलाई 2026 से गंभीर रूप से उभरनी शुरू हुई,26 जुलाई 2026 तक भी बाढ़ की स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई थी और राहत कार्य जारी थे। जलवायु परिवर्तन के कारण असम में आई भीषण बाढ़ से लगभग 6.5 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और 66 लोगों की मृत्यु हुई है,दक्षिणी फ्रांस में बड़े पैमाने पर जंगलों में आग की घटनाएँ 5 जुलाई 2026 से शुरू हुई थीं।लेकिन 24-26 जुलाई 2026 के दौरान भीषण हीटवेव और तेज हवाओं के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। फ्रांस के बोर्डो और स्पेन के कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना पड़ा तथा राष्ट्रीय स्तर पर आपातकालीन कार्रवाई की गई। जबकि यूरोप के जंगलों में लगी आग (दावानल) और भीषण गर्मी से दर्जनों लोगों की जान गई है तथा 1,16, 000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जलवायु परिवर्तन केवल प्राकृतिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। अनियंत्रित औद्योगिकीकरण, अंधाधुंध वनों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग,अवैध खनन,नदियों और आर्द्रभूमियों पर अतिक्रमण तथा अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति का संतुलन गंभीर रूप से बिगाड़ा है। चिंता का विषय यह भी है कि अनेक देशों में पर्यावरण संरक्षण संबंधी कानून तो बनाए गए, किंतु उनके प्रभावी क्रियान्वयन में ढिलाई, निगरानी तंत्र की कमजोरी और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध समयबद्ध एवं कठोर कार्रवाई का अभाव दिखाई देता है। साथ ही, आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान अपेक्षित स्तर पर नहीं चल पाए हैं। परिणामस्वरूप, सरकार, उद्योग, स्थानीय प्रशासन और समाज,सभी की साझा जिम्मेदारी होने के बावजूद सामूहिक प्रयास पर्याप्त गति नहीं पकड़ सके हैं। अब आवश्यकता केवल नए कानून बनाने की नहीं, बल्कि मौजूदा कानूनों के प्रभावी पालन, पारदर्शी निगरानी और व्यापक जनभागीदारी के माध्यम से जलवायु संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने की है।

साथियों पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का विषय नहीं रहा,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक अर्थव्यवस्था, कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बीमा उद्योग, वित्तीय बाजार और मानव अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। संयुक्त राष्ट्र, विश्व मौसम संगठन, आईपीसीसी तथा विश्व बैंक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर सीमित नहीं किया गया, तो आने वाले दशकों में करोड़ों लोग विस्थापन, जल संकट और खाद्य असुरक्षा का सामना करेंगे। 2026 में घट रही घटनाएँ इसी गंभीर चेतावनी का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में इस वर्ष आई बाढ़ ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। अनेक जिलों में नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं,हजारों परिवार राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं तथा कृषि, सड़क,पुल और सार्वजनिक ढाँचे को भारी क्षति पहुँची है।असम की बाढ़ कोई नई घटना नहीं है, परंतु वैज्ञानिकों का मानना है कि हिमालयी क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा, ग्लेशियरों के पिघलने की गति तथा मौसम की अनिश्चितता ने बाढ़ की तीव्रता और आवृत्ति दोनों बढ़ा दी हैं। ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित व्यवहार कर रही है, जिससे आपदा प्रबंधन की चुनौती कई गुना बढ़ गई है।उधर उत्तर भारत में भारतीय मौसम विभाग द्वारा भारी वर्षा के लगातार अलर्ट यह संकेत देते हैं कि मानसून अब पहले जैसा नियमित और संतुलित नहीं रहा। कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ता है तो कहीं कुछ घंटों में महीने भर की वर्षा हो जाती है। यही जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान है,मौसम का असंतुलन। इससे शहरी बाढ़, भूस्खलन,फसल क्षति, यातायात अवरोध और जनजीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। बड़े महानगरों की जल निकासी व्यवस्था भी इस नई जलवायु चुनौती के सामने सटीकता से कमजोर साबित हो रही है। साथियों, दूसरी ओर यूरोप के फ्रांस और स्पेन में जंगलों की आग ने हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र को नष्ट कर दिया है। भीषण गर्मी, शुष्क हवाएँ और लंबे समय तक वर्षा न होना इन आगों को और अधिक खतरनाक बना रहे हैं। जंगलों की आग केवल पेड़ों को नहीं जलाती, बल्कि करोड़ों टन कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में छोड़ती है, जिससे वैश्विक तापमान और बढ़ता है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन और जंगल की आग एक-दूसरे को और अधिक गंभीर बनाते हैं। इसे वैज्ञानिक क्लाइमेट फीडबैक लूप कहते हैं।जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा आर्थिक प्रभाव कृषि पर पड़ रहा है। अनियमित वर्षा अत्यधिक तापमान और बाढ़-सूखे के चक्र ने खाद्यान्न उत्पादन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह केवल किसानों की समस्या नहीं,बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था,खाद्य महँगाई और सामाजिक स्थिरता का विषय है।यदि धान,गेहूँ, दालें, फल और सब्जियों का उत्पादन प्रभावित होगा तो इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब और महँगाई दर पर दिखाई देगा। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन अब केंद्रीय बैंकों और वित्त मंत्रालयों का भी सटीकता से चिंता का विषय बन चुका है। साथियों, स्वास्थ्य आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी से हीट स्ट्रोक, हृदय रोग, श्वसन रोग और जलजनित बीमारियाँ बढ़ रही हैं। बाढ़ के बाद डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जल प्रदूषण से फैलने वाले रोगों का खतरा कई गुना बढ़जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि 21वीं सदी में जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक होगा।आर्थिक दृष्टि से देखें तो प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति बीमा कंपनियों, बैंकों, निवेशकों और शेयर बाजारों के लिए भी चुनौती बन रही है। बाढ़,चक्रवात और जंगल की आग से होने वाले नुकसान का वित्तीय बोझ लगातार बढ़ रहा है। सरकारों को राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है। इससे विकास परियोजनाओं और सामाजिक योजनाओं के लिए उपलब्ध संसाधनों पर दबाव बढ़ता है। जलवायु परिवर्तन इसलिए केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आर्थिक विकास की गति का भी प्रश्न है।ऊर्जा सुरक्षा भी इस संकट से अछूती नहीं है। अत्यधिक तापमान के कारण बिजली की माँग रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच जाती है,जबकि सूखे के कारण जल विद्युत उत्पादन प्रभावित होता है। दूसरी ओर जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता बढ़ने से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन और अधिक बढ़ता है। इसलिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा दक्षता अब केवल पर्यावरणीय विकल्प नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक आवश्यकता बन चुके हैं। साथियों, विश्व स्तरपर सीओपी सम्मेलनों में अनेक देशों ने नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य घोषित किया है। भारत ने भी 2070 तक नेट-जीरो का लक्ष्य रखा है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, इलेक्ट्रिक वाहनों, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन तथा ऊर्जा संक्रमण पर तेजी से कार्य कर रहा है। किंतु विशेषज्ञों का मत है कि केवल सरकारी नीतियाँ पर्याप्त नहीं होंगी; उद्योग, नगर प्रशासन, कृषि क्षेत्र और आम नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है।भारत के लिए जलवायु परिवर्तन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यहाँ हिमालय, लंबी समुद्री तटरेखा, विशाल कृषि क्षेत्र और करोड़ों लोगों की आजीविका सीधे मौसम पर निर्भर है। हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना, समुद्र स्तर का बढ़ना, चक्रवातों की तीव्रता, हीट वेव और अनियमित मानसून आने वाले वर्षों में भारत की विकास रणनीति को प्रभावित करेंगे। इसलिए जलवायु अनुकूल बुनियादी ढाँचा, स्मार्ट जल प्रबंधन, शहरी नियोजन और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली पर बड़े निवेश की आवश्यकता है।आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता,उपग्रह प्रौद्योगिकी,ड्रोन,बिग डेटा और मौसम मॉडलिंग जलवायु प्रबंधन के महत्वपूर्ण उपकरण बन चुके हैं। बेहतर पूवार्नुमान, समय पर चेतावनी, फसल सलाह और आपदा प्रबंधन में इन तकनीकों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। भविष्य का सफल राष्ट्र वही होगा जो विज्ञान, तकनीक और नीति के समन्वय से जलवायु जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन कर सके।जलवायु परिवर्तन का समाधान केवल उत्सर्जन कम करना नहीं है, बल्कि अनुकूलन और लचीलापन विकसित करना भी है। वर्षा जल संचयन,वनों का संरक्षण, नदी पुनर्जीवन, टिकाऊ कृषि, हरित परिवहन,ऊर्जा दक्ष भवन प्लास्टिक प्रदूषण में कमी और जनभागीदारी जैसे उपाय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।प्रत्येक नागरिक यदि अपने दैनिक जीवन में ऊर्जा बचत, जल संरक्षण और पर्यावरण- अनुकूल व्यवहार अपनाए,तो सामूहिक स्तर पर बड़ा परिवर्तन संभव है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्

अमेरिका में रिपब्लिकन सांसदों का नया विधेयक सिर्फ वीजा रोकने का प्रस्ताव नहीं, बल्कि वैश्विक टेक टैलेंट की दिशा बदलने की कोशिश

चंदन चौरसिया

अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर एक बार फिर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सांसदों के एक समूह ने ₹एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट ऑफ 2026 नाम से एक नया विधेयक पेश किया है। इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा प्रावधान यह है कि तीन वर्षों तक नए एच-1बी वीजा जारी करने पर रोक लगा दी जाए और इस दौरान पूरी व्यवस्था की समीक्षा कर उसे नए सिरे से बनाया जाए। यह अभी केवल एक विधेयक है, कानून नहीं बना है। लेकिन अगर भविष्य में यह कांग्रेस से पारित होकर लागू हो जाता है, तो इसका असर सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। सबसे बड़ा प्रभाव भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि एच-1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी वर्षों से भारतीय पेशेवर और भारतीय आईटी कंपनियां रही हैं। यही कारण है कि इस प्रस्ताव ने भारत के आईटी सेक्टर, इंजीनियरिंग छात्रों, स्टार्टअप जगत और विदेश में करियर बनाने का सपना देखने वाले लाखों युवाओं के बीच चिंता बढ़ा दी है। एच-1 बी वीजा अमेरिका का वह विशेष कार्य वीजा है, जिसके जरिए विदेशी विशेषज्ञों को तकनीकी और उच्च कौशल वाली नौकरियों में काम करने की अनुमति मिलती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ, डॉक्टर, रिसर्चर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े प्रोफेशनल इसी श्रेणी में अमेरिका पहुंचते हैं। भारतीय पेशेवर इस कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी रहे हैं। हर साल जारी होने वाले एच-1बी वीजा का बड़ा हिस्सा भारतीय नागरिकों को मिलता है। यही वजह है कि भारत की बड़ी आईटी कंपनियों– जैसे इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल और टेक महिंद्रा–ने वर्षों तक अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूत मौजूदगी बनाई। विधेयक पेश करने वाले सांसदों का दावा है कि एच-1बी कार्यक्रम का मूल उद्देश्य अमेरिकी कंपनियों की वास्तविक जरूरत पूरी करना था, लेकिन समय के साथ इसका दुरुपयोग होने लगा। उनका आरोप है कि कई कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को अपेक्षाकृत कम वेतन पर नियुक्त करती हैं, जिससे अमेरिकी नागरिकों के रोजगार प्रभावित होते हैं। यानी उनका संदेश साफ है–₹अमेरिकी नौकरियां पहले अमेरिकियों के लिए। यह विचार कोई नया नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भी अमेरिका फर्स्ट₹ नीति के तहत एच-1बी वीजा नियमों को कड़ा करने की कोशिश कर चुके हैं। नया विधेयक उसी सोच का विस्तार माना जा रहा है।

सबसे पहला असर भारतीय आईटी उद्योग पर पड़ेगा। भारतीय कंपनियों का बड़ा कारोबार अमेरिकी ग्राहकों पर निर्भर करता है।

कई परियोजनाओं में भारतीय इंजीनियरों को अमेरिका भेजना जरूरी होता है। यदि तीन वर्षों तक नए एच-1बी वीजा नहीं मिलेंगे, तो कंपनियों को स्थानीय अमेरिकी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ानी पड़ेगी, जिससे लागत बढ़ सकती है और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त कम हो सकती है। दूसरा बड़ा असर उन लाखों भारतीय छात्रों पर होगा, जो हर साल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई पूरी कर अमेरिका में नौकरी का सपना देखते हैं। पढ़ाई के बाद एच-1बी वीजा उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण सीढ़ी माना जाता है। यदि यह रास्ता बंद होता है, तो उन्हें दूसरे देशों की ओर रुख करना पड़ सकता है। तीसरा असर भारत में विदेशी मुद्रा के प्रवाह पर पड़ सकता है। अमेरिका में काम करने वाले भारतीय बड़ी मात्रा में अपने परिवारों को धन भेजते हैं। यदि नए पेशेवर वहां नहीं पहुंच पाए, तो आने वाले वर्षों में इस प्रवाह की गति प्रभावित हो सकती है। इस सवाल का जवाब पूरी तरह हां नहीं है। अगर एच-1बी वीजा पर लंबी रोक लगती है, तो अमेरिकी टेक उद्योग भी चुनौतियों का सामना कर सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, चिप डिजाइन और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में अमेरिका लंबे समय से वैश्विक प्रतिभाओं पर निर्भर रहा है। यदि विदेशी विशेषज्ञों का प्रवेश सीमित होता है, तो कंपनियों को कुशल कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे परियोजनाओं की गति धीमी हो सकती है और लागत बढ़ सकती है। यही कारण है कि अमेरिका के भीतर भी इस मुद्दे पर मतभेद हैं। कई उद्योग संगठन और बड़ी टेक कंपनियां पहले भी एच-1बी कार्यक्रम को पूरी तरह बंद करने के बजाय उसमें पारदर्शिता और सुधार की वकालत करती रही हैं। निश्चित रूप से। भारत को अब यह समझना होगा कि केवल विदेशी रोजगार पर आधारित विकास मॉडल भविष्य की गारंटी नहीं हो सकता। देश में सेमीकंडक्टर, एआई, रक्षा तकनीक, डीप टेक, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने होंगे। अगर भारत विश्वस्तरीय अवसर अपने ही देश में तैयार करता है, तो विदेशी वीजा नीतियों का असर अपेक्षाकृत कम होगा। अभी ऐसा मान लेना जल्दबाजी होगी। किसी भी विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों से पारित होना होता है और उसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिलती है। राजनीतिक समर्थन, उद्योग जगत की प्रतिक्रिया और संसदीय प्रक्रिया–तीनों इस प्रस्ताव का भविष्य तय करेंगे। इसलिए फिलहाल इसे अंतिम निर्णय नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रस्ताव के रूप में देखना चाहिए। भारतीय आईटी कंपनियों को वैश्विक रणनीति में बदलाव करना होगा। यूरोप, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान और पश्चिम एशिया जैसे बाजारों में विस्तार तेज करना होगा। साथ ही भारत में उच्च तकनीकी अनुसंधान और उत्पाद आधारित कंपनियों को बढ़ावा देना होगा, ताकि प्रतिभाएं केवल विदेश जाने पर निर्भर न रहें। युवाओं को भी केवल एच-1बी को करियर का एकमात्र विकल्प मानने के बजाय वैश्विक अवसरों और उभरते भारतीय तकनीकी इकोसिस्टम पर ध्यान देना होगा।

एच-1बी वीजा पर प्रस्तावित तीन साल की रोक केवल एक अमेरिकी राजनीतिक बहस नहीं है, बल्कि यह वैश्विक प्रतिभा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और रोजगार के भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल है।

यदि यह विधेयक कानून का रूप लेता है, तो भारत के आईटी उद्योग, लाखों इंजीनियरों और अमेरिकी बाजार पर निर्भर कंपनियों को निश्चित रूप से चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि अमेरिका की तकनीकी कंपनियां भी वैश्विक प्रतिभा के बिना अपनी मौजूदा रफ्तार बनाए रखने में कठिनाई महसूस कर सकती हैं। इसलिए यह विधेयक भारत के लिए केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर तकनीकी अर्थव्यवस्था, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को नई दिशा देने का एक अवसर भी बन सकता है।

50 करोड़ के कथित निवेश विवाद में JCB इंडिया के दो वरिष्ठ अधिकारियों पर FIR

JCB India Ltd. से जुड़े एक बहुचर्चित कारोबारी विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। कंपनी के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा थाने में दर्ज एफआईआर को लेकर सोमवार को नई दिल्ली में शिकायतकर्ता पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि लगभग 50 करोड़ के निवेश के बावजूद उन्हें आर्थिक शोषण, मानसिक उत्पीड़न और कथित आपराधिक धमकियों का सामना करना पड़ा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिकायतकर्ता गौरव मोदी, निदेशक कृष्णा ऑटो राइडर्स प्राइवेट लिमिटेड (Krishna JCB) की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह मामला केवल एक कारोबारी विवाद नहीं बल्कि न्यायालय के आदेश के बाद दर्ज आपराधिक प्रकरण है। उन्होंने न्यायालय के आदेश, एफआईआर और अन्य दस्तावेजों का हवाला देते हुए पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2017-18 में JCB India Ltd के साथ डीलरशिप संबंध स्थापित होने के बाद उन्हें व्यवसाय के विस्तार के नाम पर लगातार बड़े पैमाने पर निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

आरोप है कि भूमि खरीद, अत्याधुनिक शोरूम, सर्विस सेंटर, भवन निर्माण, मशीनरी, उपकरण, फर्नीचर, स्पेयर पार्ट्स, स्टाफ भर्ती और प्रशिक्षण सहित विभिन्न मदों में करीब 50 करोड़ का निवेश किया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी आरोप लगाया गया कि निवेश के बाद कंपनी के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर अतिरिक्त धनराशि की कथित मांग की गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि कथित मांगें पूरी नहीं करने पर डीलरशिप के नवीनीकरण और विस्तार को लेकर दबाव बनाया गया तथा मानसिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण और आपराधिक धमकियां दी गईं।

शिकायतकर्ता के अनुसार, डीलरशिप समाप्त करने की चेतावनी देकर उन पर लगातार दबाव बनाया गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

शिकायतकर्ता पक्ष ने बताया कि पहले पुलिस से शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया। इसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कटघोरा ने उपलब्ध दस्तावेजों और तथ्यों पर विचार करते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 22 मई 2026 को कटघोरा थाना, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) में एफआईआर संख्या 0175/2026 दर्ज की गई। एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 318 एवं 3(5) के तहत दर्ज हुई है। एफआईआर में संदीप कलरा और जसमीत सिंह को आरोपी बनाया गया है। वहीं, शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि न्यायालय में दायर मूल शिकायत में दीपक सेठी, संदीप कलरा, जसमीत सिंह और अनंत सिंह सहित अन्य अधिकारियों के विरुद्ध भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष ने कहा कि वह मामले में उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर कानूनी लड़ाई जारी रखेगा और जांच एजेंसियों से निष्पक्ष जांच की अपेक्षा करता है। अधिवक्ता ने कहा कि आगे की कानूनी रणनीति भी न्यायालय की प्रक्रिया के अनुरूप तय की जाएगी।

रंगलेयर रबी ने टैगोर की नाट्य-विरासत को फिर से चर्चा में लाया

वांडरर्स फुटप्रिंट्स ट्रैवल बुटीक और स्थापना शांतिनिकेतन की ओर से संयुक्त रूप से प्रस्तुत 'रंगलय रबी' (जन-मंच के रबी) का मंचन नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर के अमलतास ऑडिटोरियम में किया गया। इस प्रोग्राम की रूपरेखा प्रकृति मुखोपाध्याय ने रबींद्रनाथ टैगोर और बंगाली पब्लिक थिएटर परंपरा के बीच के रिश्ते को समझने की उत्सुकता से तैयार की थी। इस प्रस्तुति को बैकस्टेज के किस्सों और गानों के आधार पर तैयार किया गया था। ये गाने और किस्से लगभग पच्चीस स्टेज अडैप्टेशन (मंच-रूपांतरण) में से चुने गए नाटकों पर आधारित थे—जिनमें टैगोर के अपने नाटक और उनकी कहानियों, उपन्यासों व कविताओं के मंच-रूपांतरण शामिल थे, जिन्हें पब्लिक थिएटर में मंचित किया गया था। इस कार्यक्रम में बताया गया कि कैसे बंगाली पब्लिक थिएटर, जो उस समय की पुरुष-प्रधान और भेदभावपूर्ण राजनीति से प्रभावित था, टैगोर को उनकी असली कलात्मक भावना के साथ नहीं अपना सका। जिन नाटकों को मंच पर पेश किया गया, वे ज्यादातर व्यावसायिक कारणों से चुने गए थे।

टैगोर खुद पब्लिक थिएटर को लेकर बहुत उत्साहित नहीं थे; फिर भी, वे वहाँ मंचित अपने नाटकों के प्रदर्शन में शामिल होते थे। वे पब्लिक थिएटर की अभिनेत्रियों की अभिनय क्षमता का भी बहुत सम्मान करते थे और उनकी कलात्मक उत्कृष्टता की तारीफ करते थे। कार्यक्रम का समापन आज के सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में टैगोर के नाटकों की लगातार बनी हुई प्रासंगिकता पर विचार करते हुए हुआ—खासकर बदलते राजनीतिक माहौल को देखते हुए—और इस बात पर जोर दिया गया कि आज के समय के हिसाब से उनके नाटकों का फिर से मूल्यांकन और उनकी नई व्याख्या करने की जरूरत है। रंगलेयर रबी का वर्णन मशहूर अभिनेता, वाचक और इंटरडिसिप्लिनरी कलाकार सुजॉय प्रसाद चटर्जी ने किया। संगीत की प्रस्तुति प्रत्युष मुखोपाध्याय और प्रकृति मुखोपाध्याय ने दी, जिसमें सुरजीत दास और नीलांजन सेनगुप्ता ने वाद्ययंत्रों पर साथ दिया। सुजॉय प्रसाद चटर्जी ने कहा, श्यह प्रोडक्शन मेरे लिए एक तरह का टाइम ट्रैवल है। यह कला के समाजशास्त्रीय ढांचे में संस्कृति की राजनीति और उसमें टैगोर की अहम भूमिका को भी दशार्ता है।

जैन सम्राट खारवेल की 2200 वी जयंती पर दिल्ली सरकार भव्य कार्यक्रम करेगी : रेखा गुप्ता

श्री दिगम्बर जैन समाज एवं एकल महिला समाज कृष्णा नगर द्वारा देवस्य सिटी सेंटर कड़कड़डूमा में आयोजित मंगल कलश स्थापना समारोह और कलिंग चक्रवर्ती जैन सम्राट खारवेल की 2200 जन्म शताब्दी समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मौजूद भक्तजनों के बीच एलान किया कि दिल्ली सरकार खारवेल जन्म जयंती के अवसर पर पूरे वर्ष चलने वाले जैन समाज द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में पूर्ण योगदान करेगी , रेखा गुप्ता ने कहा आज मैं जिस मुकाम तक आई हूँ यह धार्मिक गुरुओं संत महात्माओं और जैन समाज के विद्वानों से मिले आशीर्वाद का ही परिणाम है। इस अवसर पर सम्राट खारवेल पर बनी फीचर फिल्म को भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर आचार्य प्रग सागर मुनि ने अपने प्रवचन में कहा आज आयोजित मंगल कलश स्थापना समारोह का विशेष महत्व है उन्होंने कहा आज ही सम्राट खारवेल महागौरव वषायोग समारोह का भी शुभारंभ भी हो रहा है खारवेल एक ऐतिहासिक महापुरुष है उनकी 2200 जन्म जयंती पर जैन समाज दिल्ली सहित सम्पूर्ण देश में कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इस अवसर पर प्रधान सतीश चंद्र जैन , महामंत्री प्रमोद जैन, प्रियांशु जैन और मीडिया संयोजक टीनू जैन ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दिल्ली अल्प संख्यक आयोग के चेयरमैन पद पर जैन समाज के नेता निर्मल जैन को मनोनीत करने पर बधाई दी और एक स्मृति चिन्ह भेंट किया । इस समारोह में सांसद ललित गांधी, विधायक अनिल गोयल, संजय गोयल, अरविंद सिंह लवली के साथ आदि अनेक नेता एवं धार्मिक गुरु उपस्थित हुए।

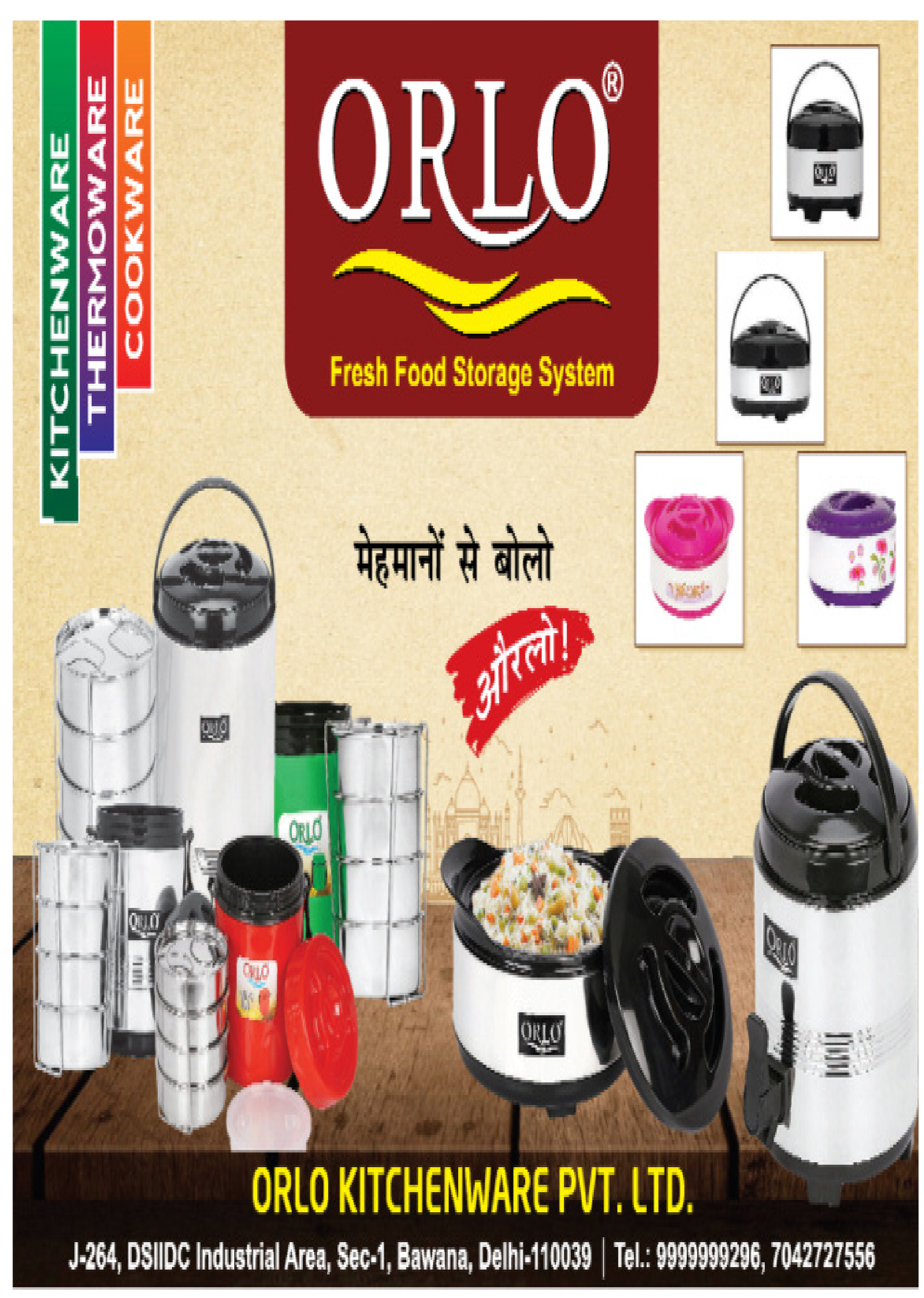

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
Frigate SolarTech
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

3 एम इंडिया	0.89 प्रतिशत
एबॉट इंडिया	0.56 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.41 प्रतिशत
एबीबी इंडिया	0.40 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.05 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,530
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,24,770
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.14	94.07
पौड स्टर्लिंग	129.80	125.18
यूरो	111.00	106.84
चीन युआन	15.07	13.35

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

जून में भारत के इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, भारत के इंजीनियरिंग गुड्स एक्सपोर्ट में जून 2026 के दौरान सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह बढ़कर 11.48 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष इसी महीने 9.51 अरब डॉलर था। इस बढ़ोतरी में अमेरिका, जर्मनी, चीन, सिंगापुर और ओमान से मजबूत मांग का अहम योगदान रहा।

ओमान को निर्यात पांच गुना से ज्यादा बढ़ा

ईईपीसी इंडिया के बयान में कहा गया कि जून में ओमान को भारत का इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट सालाना आधार पर पांच गुना से अधिक बढ़कर 258.97 मिलियन डॉलर हो गया। जून के दौरान अमेरिका भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना रहा, जहां 1.95 अरब डॉलर का निर्यात हुआ।

वहीं, चीन को निर्यात 74 प्रतिशत बढ़कर 361.47 मिलियन डॉलर पहुंच गया। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि इंजीनियरिंग गुड्स सेक्टर ने बदले हुए वैश्विक व्यापारिक माहौल के अनुरूप खुद को ढाल लिया है और शानदार मजबूती दिखाई है। हालांकि, इंजीनियरिंग उद्योग को

इंजीनियरिंग गुड्स सेक्टर ने बदले हुए वैश्विक व्यापारिक माहौल के अनुरूप खुद को ढाल लिया है और शानदार मजबूती दिखाई है : पंकज चड्ढा, ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन

उभरती चुनौतियों के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। बयान में कहा गया कि जून के दौरान भारत के इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट में सभी क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, यूएई और सऊदी अरब जैसे पश्चिम एशियाई देशों को निर्यात में गिरावट रही। इसके बावजूद ओमान को निर्यात में 420 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बयान के अनुसार, भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू होने के बाद ओमान को निर्यात में आई इस बड़ी तेजी से पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (वाना) क्षेत्र में भारत का कुल इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट सकारात्मक बना रहा। ईईपीसी इंडिया ने बताया कि जून में 34 इंजीनियरिंग पैनलों में से 27 पैनलों ने सालाना आधार पर निर्यात वृद्धि दर्ज की। वहीं, लेड और उससे जुड़े उत्पाद, आईसी इंजन, एटीएम के लिए मशीनरी, क्रेन, लिफ्ट और विंच, ऑफिस इक्विपमेंट तथा प्राइम माइका सहित सात पैनलों के निर्यात में नरमी देखी गई। पंकज चड्ढा ने कहा, 'पश्चिम एशिया और मिडिल ईस्ट संकट के कारण पैदा हुई वैश्विक अनिश्चितता और व्यापारिक व्यवधानों के बावजूद इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट सेक्टर ने शानदार मजबूती दिखाई है। चालू वित्त वर्ष के पिछले तीन महीनों में इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट लगातार 10 अरब डॉलर से ऊपर रहा है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार ने उठाए ठोस कदम : केंद्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच सरकार ने ऊर्जा सहित महत्वपूर्ण औद्योगिक कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, इनपुट लागत के दबाव को कम करने, व्यापार को सुगम बनाने, औद्योगिक गतिविधियों को समर्थन देने और व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने चुनिंदा पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक पर अस्थायी रूप से सीमा शुल्क में छूट प्रदान की। इसके अलावा, कारोबारों को समर्थन देने के लिए भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल रिलीफ योजना शुरू की गई। निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं कर वापसी योजना (आरओडीटीईपी) के लाभों को भी बहाल किया गया, ताकि बढ़ी हुई माल ढुलाई, बीमा और युद्ध जोखिम लागत के प्रभाव को कम किया जा सके। साथ ही, इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) 5.0 के माध्यम से तरलता (लिक्विडिटी) सहायता भी उपलब्ध कराई गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सरकार मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौतों (सीईपीए) के नेटवर्क का विस्तार कर व्यापारिक लचीलापन भी मजबूत कर रही है।

गुजरात ने अपनी 'जहाज निर्माण व मरम्मत नीति 2026' का किया शुभारंभ

गांधीनगर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात सरकार ने सोमवार को अपनी 'जहाज निर्माण और मरम्मत नीति 2026' का शुभारंभ किया। इस नीति में राज्य की जहाज निर्माण क्षमता का विस्तार करने, निजी निवेश आकर्षित करने और एक एकीकृत समुद्री विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का रोडमैप निर्धारित किया गया है। केंद्र सरकार ने पोरबंदर में एक विशाल ग्रीनफील्ड जहाज निर्माण क्लस्टर को मंजूरी दे दी है, जिससे 27,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की उम्मीद है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में औपचारिक रूप से नीति का अनावरण करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य 2,340 किलोमीटर लंबी तटरेखा, व्यापक बंदरगाह अवसंरचना और औद्योगिक आधार का लाभ उठाते हुए भारत के अग्रणी जहाज निर्माण और मरम्मत केंद्र के रूप में राज्य की स्थिति को मजबूत करना है। यह नीति राज्य की समुद्री महत्वाकांक्षाओं को केंद्र सरकार की जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना 2025 (एसबीएफएएस), समुद्री विजन 2047 और 'आत्मनिर्भर भारत' के व्यापक उद्देश्य के साथ संरेखित करने का प्रयास करती है।

मध्य पूर्व में शांति से सोना व चांदी में लौटी रौनक

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी सोमवार को तेजी के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में दोनों की कीमती धातुओं के दाम एक प्रतिशत तक चढ़ गए थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,106 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,43,575 रुपए प्रति 10 ग्राम खुला। सुबह 9:45 पर सोना 907 रुपए या 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,44,013 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,575 रुपए प्रति 10 ग्राम न्यूनतम स्तर और 1,44,111 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखी जा रही है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट

पिछली क्लोजिंग 2,22,138 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,23,500 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 2,066 रुपए या 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,24,204 रुपए प्रति किलो पर थी। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,23,500 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,24,632 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है।

आरकेवीवाई की दूसरी किस्त के लिए पात्र बनने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' के तहत मिलने वाली राशि की दूसरी किस्त के लिए क्वालिफाई करने वाला पहला राज्य बन गया है। राज्य ने पहली किस्त के तौर पर मिले 335 करोड़ रुपए में से लगभग 260 करोड़ रुपए का इस्तेमाल किया, जो 75 प्रतिशत इस्तेमाल के बेंचमार्क से ज्यादा है।

एक बयान के अनुसार, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योजना के तहत जारी राशि के इस्तेमाल का जायजा लेने और महाराष्ट्र को दूसरी किस्त जारी करने पर विचार करने के लिए एक वर्चुअल समीक्षा

समय पर राशि उपयोग का मिला लाभ

बैठक की अध्यक्षता की। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि राशि जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंत्री ने 'मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर' (बागवानी के एकीकृत विकास के लिए मिशन) के तहत संतोषजनक प्रगति को माना और राज्य से डिजिटल कृषि, कृषि विस्तार, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, बीज, तिलहन और एग्रो-फॉरेस्ट्री (कृषि-वानिकी) से जुड़े कामों पर खर्च की गति बढ़ाने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि राशि के इस्तेमाल को बेहतर बनाने के लिए बीज से जुड़े लंबित खर्चों (देनदारियों) का हिसाब जल्द से जल्द किया जाए। चौहान ने कहा कि महाराष्ट्र का कुल खर्च तय सीमा से अधिक होना कृषि विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि समय पर खर्च के साथ-साथ लगातार निगरानी भी होनी चाहिए।

सार संक्षेप

उत्तर प्रदेश ने भारत का अगला 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' हब बनने के संकल्प को किया मजबूत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अब देश का अगला ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बनने के अपने इरादे पर और मजबूती से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने एक साफ नीति, मजबूत टैलेंट और इनोवेशन के दम पर भारत के जीसीसी सेक्टर में 10% हिस्सेदारी हासिल करने का टारगेट रखा है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने नोएडा में जीसीसी समिट 2026 के दौरान यह बात रखी। गौर करने वाली बात ये है कि राज्य सरकार ने इस समिट में जीसीसी सेक्टर के लिए अपना फुल प्लान पेश किया। उनका फोकस साफ है-तकनीक, इनोवेशन और ऐसा माहौल बनाना जिसमें क्वालिटी जॉब्स हों और ग्लोबल इन्वेस्टर्स को यहां काम शुरू करने में आसानी हो सके। आलोक कुमार बोले, भारत में जीसीसी की ग्रोथ काफी तेज है और उत्तर प्रदेश पूरी तरह तैयार है, इस रफ्तार का बड़ा हिस्सा बनने के लिए। राज्य सरकार लगातार अपनी पॉलिसीज, टैलेंट बेस, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक सिस्टम को अपडेट कर रही है। यहां की सोच ये है कि बड़ी ग्लोबल कंपनियां बिना किसी झंझट के इंवेस्ट करें, अपना काम बढ़ाएं, और नई इनोवेशन की तरफ बढ़ें।

केशव चंद्र ने संभाला खान मंत्रालय के सचिव का पदभार

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केशव चंद्र ने सोमवार को खान मंत्रालय के सचिव के रूप में पदभार संभाल लिया। वह ऐसे समय यह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जब केंद्र सरकार देश की खनन और खनिज क्षेत्र को मजबूत बनाने, क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने और खनिज संसाधनों के विकास में तेजी लाने पर विशेष जोर दे रही है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद केशव चंद्र ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं तथा चल रही गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने उन्हें मिनरल एक्सप्लोरेशन, मिनरल ब्लॉक्स की ऑक्शन और ऑपरेशनलाइजेशन, क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के विकास तथा मंत्रालय की अन्य प्रमुख योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

ड्रीमफ्लाई इनोवेशंस स्थापित करेगी एविएशन बैटरी प्लांट

नई दिल्ली। एडवांस एविएशन बैटरी टेक्नोलॉजी पर केंद्रित भारत की डीप-टेक कंपनी ड्रीमफ्लाई इनोवेशंस ने सोमवार को उत्तर बेंगलुरु में 40,000 स्क्वायर फीट में एविएशन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का ऐलान किया है। इसके जरिए कंपनी की कोशिश 'मेक-इन-इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना है। कंपनी ने बताया कि आगामी विनिर्माण सुविधा की शुरुआती वार्षिक उत्पादन क्षमता 100 मेगावाट-घंटा होगी, जिसे बढ़ाकर 200 मेगावाट-घंटा तक किया जा सकेगा।

चौतरफा लिवाली के बीच बाजार में लौटी तेजी

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह लगातार पांच दिन की गिरावट के बाद सोमवार को रौनक लौट आयी और प्रमुख सूचकांक करीब एक प्रतिशत ऊपर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 776.01 अंक (1.02 प्रतिशत) चढ़कर

- **सेंसेक्स 1.02 प्रतिशत चढ़कर 76,835.78 अंक पर रहा**
- **निफ्टी 0.96 प्रतिशत की बढ़त में 23,995.95 अंक पर रहा**

76,835.78 अंक पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह इसमें 2,091 अंक की गिरावट दर्ज की गई थी।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 228.50 अंक (0.96 प्रतिशत) की बढ़त में 23,995.95 अंक पर रहा। पिछले सप्ताह पांच दिन में यह 566.85 अंक लुढ़क गया था। अमेरिका ने शांति वार्ता की गुंजाइश बनाने के लिए ईरान पर हमले रोकने की घोषणा की है। इससे दुनिया भर में शेयर बाजारों में आज तेजी रही।

घरेलू स्तर पर प्रमुख सूचकांकों के अलावा निवेशकों ने वृहत बाजार में भी पैसा लगाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.31 प्रतिशत

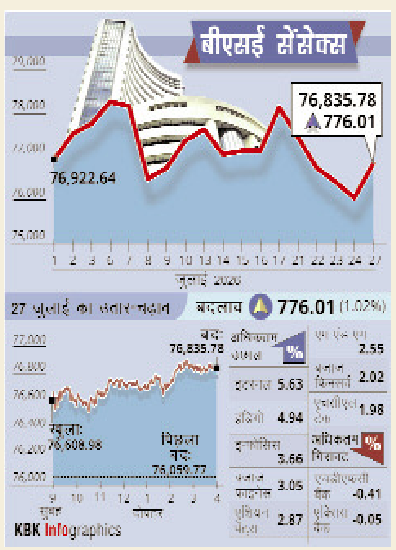

ऊपर बंद हुआ। चौतरफा लिवाली के बीच सभी सेक्टरों में तेजी रही। आईटी, मीडिया और रियल्टी सेक्टरों के सूचकांक दो प्रतिशत से ज्यादा चढ़े। ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य और रसायन समूहों के सूचकांक भी एक से दो प्रतिशत तक मजूबत हुए।

एनएसई में जिन 3,446 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,259 के शेयर हरे निशान में और 1,071 के लाल निशान में रहे अन्य 116 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 28 के शेयर बढ़त में रहे। इटरनल का शेयर 5.63 प्रतिशत उछल गया। इंडिगो में 4.94 फीसदी, इंफोसिस में 3.66, बजाज फाइनेंस में 3.50, एशियन पेंट्स में 2.72, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.48, बजाज फिनसर्व में 2.02 और मारुति सुजुकी में दो प्रतिशत की तेजी देखी गई।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 1.98 प्रतिशत , टीसीएस का 1.83 , सन फार्मा का 1.67, ट्रेंट का 1.65, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.40, टाइटन का 1.23 और एनटीपीसी का 1.01 प्रतिशत चढ़ा। टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, बीईएल, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल के शेयर भी हरे निशान में रहे। एचडीएफसी बैंक का शेयर गिरावट दर्ज की गई।

वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 1.15 प्रतिशत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.98 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.50 प्रतिशत की बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 1.13 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.65 प्रतिशत ऊपर था।

30 सितम्बर तक एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट 65-70 अरब डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष योजना के तहत 30 सितंबर तक भारत में एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट 65-70 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है, जबकि यह कुल 80-85 अरब डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान है। यह जानकारी सोमवार को जारी एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 17 जुलाई तक 20 अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें 17.4 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट का प्रमुख योगदान रहा। एसबीआई के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. सौम्य कांति घोष ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि केवल 45 दिनों में ही एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट 2013 के 26 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुकी है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 17 जुलाई 2026 तक 17.4 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट जुटाए जा चुके हैं। रुझान बताते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) इस जमा अभियान को आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी

- **एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट 45 दिनों में 2013 के 26 अरब डॉलर के स्तर के पार**

भूमिका निभा रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त और सितंबर 2026 में मैच्योर होने वाली मौजूदा एफसीएनआर जमाओं का बड़ा हिस्सा नई योजना के तहत अधिक ब्याज दरों के कारण दोबारा जमा (रिन्यू) किया जाएगा, जिससे एफसीएनआर (बी) में आने वाली राशि और बढ़ेगी। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आधारभूत अनुमान के अतिरिक्त करीब 10 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि भी जुटाई जा सकती है। यह राशि मुख्य रूप से उन देशों से आने की संभावना है, जहां कर संबंधी रियायतें उपलब्ध हैं।

असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए अब तक 4 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल : आयकर

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने सोमवार को ऐलान किया कि असेसमेंट ईयर (एवाई) 2026-27 के लिए अब तक 4 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 4 करोड़ से ज्यादा आईटीआर दाखिल हो चुके हैं। साथ ही पात्र करदाताओं से अपील की कि वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए जल्द से जल्द आईटीआर-1 और आईटीआर-2 दाखिल करें।

आईटीआर फाइलिंग का यह आंकड़ा ऐसे समय पर आया है, जब एक सप्ताह से भी कम समय पहले आयकर विभाग ने जानकारी दी थी कि आईटीआर फाइलिंग का आंकड़ा 3 करोड़ के पार पहुंच गया है और एक ही दिन में 15 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए थे। इस महीने की शुरुआत में विभाग ने बताया था कि 1.7 करोड़ से अधिक करदाता अपना रिटर्न दाखिल कर चुके हैं, जिससे यह संकेत मिला कि आयकर रिटर्न जमा करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई नजदीक आने के साथ आईटीआर दाखिल करने की रफ्तार लगातार तेज हो रही है।

आयकर विभाग ने करदाताओं से 31 जुलाई की अंतिम तिथि से पहले आईटीआर प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। विभाग ने बार-बार करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अंतिम कुछ दिनों तक इंतजार न करें। विभाग का कहना है कि समय रहते आईटीआर दाखिल करने से ई-फाइलिंग पोर्टल पर अत्यधिक ट्रैफिक से बचा जा सकता है और रिटर्न की प्रोसेसिंग भी अधिक सुचारु रूप से होती है। आईटीआर-1 (सहज) उन निवासी व्यक्तियों के लिए है जिनकी कुल आय 50 लाख रुपए तक है।

ई20 पेट्रोल से इंजन को नुकसान का सबूत नहीं : सरकार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में कहा कि ई20 पेट्रोल से वाहन को बेहतर एक्सेलरेशन, स्मूद राइड क्वालिटी और ई10 पेट्रोल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत कम कार्बन उत्सर्जन मिलता है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन और वास्तविक उपयोग के आंकड़ों में एथेनॉल की वजह से इंजन में जंग, असामान्य घिसावट या वाहन की उम्र कम होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है, यहां तक कि उन लाखों पुराने वाहनों में भी नहीं, जिन्हें मूल रूप से ई20 के लिए प्रमाणित नहीं किया गया था।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि ई20 ईंधन वाहन की राइड क्वालिटी को बेहतर बनाता है और ई10 की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत कम कार्बन उत्सर्जन करता है। मंत्रालय के अनुसार, अधिक एथेनॉल मिश्रण वाला ईंधन अधिक स्वच्छ और पूर्ण दहन सुनिश्चित करता है, जिससे पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) का उत्सर्जन लगभग शून्य हो जाता है और शहरी क्षेत्रों में

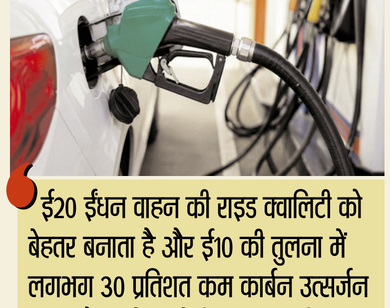

ई20 ईंधन वाहन की राइड क्वालिटी को बेहतर बनाता है और ई10 की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत कम कार्बन उत्सर्जन करता है : सुरेश गोपी, राज्य मंत्री

वायु गुणवत्ता में सुधार होता है।

सरकार ने बताया कि ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) और विभिन्न वाहन निर्माताओं ने ई20 ईंधन लागू करने से पहले प्रयोगशाला परीक्षण और फील्ड ट्रायल किए थे। इन परीक्षणों में इंजन की मजबूती, वाहन प्रदर्शन, स्टार्ट होने की क्षमता, जंग-रोधी क्षमता, सामग्री की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे कई पहलुओं का मूल्यांकन किया गया। इन सभी अध्ययनों ने पुष्टि की कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 ईंधन पूरी तरह सुरक्षित है।

सरकार ने यह भी कहा कि परीक्षणों से यह साबित हुआ है कि पुराने वाहनों के प्रदर्शन में ई20 ईंधन के कारण कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आता और न ही इंजन या अन्य पुर्जों में असामान्य घिसावट देखने को मिली है।

अपने दावे के समर्थन में सरकार ने बड़े स्तर पर जुटाए गए आंकड़ों का भी हवाला दिया। सरकार के अनुसार, एक प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.84 करोड़ वाहनों की सर्विसिंग की, जिनमें से लगभग 1.5 करोड़ वाहन ऐसे थे जिन्हें मूल रूप से ई20 के अनुकूल प्रमाणित नहीं किया गया था।

चेहरे की चमक से लेकर बालों की मजबूती तक, बादाम का तेल है कुदरती ब्यूटी टॉनिक

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आजकल बढ़ता प्रदूषण, धूल-मिट्टी, खराब खानपान और तनाव का असर सबसे पहले हमारी त्वचा और बालों पर

बादाम के तेल में विटामिन ई, हेल्दी फैट, एंटीऑक्सीडेंट और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह त्वचा की नमी बनाए रखने, बालों को मुलायम बनाने और बाहरी नुकसान से बचाने में मदद करता है।

दिखाई देता है। कम उम्र में ही बाल झड़ने लगते हैं और त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खोने लगती है। ऐसे में लोग महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन अगर कुछ प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल किया जाए तो अच्छा फायदा मिल सकता है। इन्हीं में से एक है बादाम का तेल। बादाम के तेल में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा और बालों दोनों की देखभाल में मदद कर सकते हैं।

बादाम के तेल में विटामिन ई, हेल्दी फैट, एंटीऑक्सीडेंट और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह त्वचा की नमी बनाए रखने, बालों को मुलायम बनाने और बाहरी नुकसान से बचाने में मदद करता है। बादाम के तेल से हल्के हाथों से सिर की मालिश करने से बालों को नमी मिलती है और वे पहले से ज्यादा मुलायम महसूस होते हैं। कुछ लोग बादाम के तेल को जैतून के तेल के साथ मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं। इससे बालों की देखभाल बेहतर तरीके से होती है। हालांकि अगर बाल बहुत ज्यादा झड़ रहे हों, तो पहले त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है।

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक, बादाम के तेल में ऐसे फैटी एसिड होते हैं, जो बालों की बाहरी परत को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। इससे बालों का रूखापन कम होता है और बालों के टूटने की संभावना भी कुछ हद तक कम हो जाती है।

आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स की समस्या भी आजकल काफी आम हो गई है। देर रात तक जागना, तनाव, नींद की कमी और शरीर में पानी की कमी इसके बड़े कारण माने जाते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि रात में सोने से पहले आंखों के नीचे थोड़ी मात्रा में बादाम के तेल से हल्की मालिश करने से त्वचा को नमी मिलती है। हालांकि मेडिकल रिसर्च कहती है कि डार्क सर्कल्स का पूरा इलाज सिर्फ किसी एक तेल से संभव नहीं है। इसके लिए अच्छी नींद, पर्याप्त पानी और संतुलित जीवनशैली भी उतनी ही जरूरी है।

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां आना एक सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन कई लोगों में यह बदलाव जल्दी दिखाई देने लगता है। डॉक्टरों का कहना है कि बादाम के तेल में मौजूद विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करने से त्वचा की नमी बनी रहती है, जिससे वह मुलायम और स्वस्थ दिखाई देती है।

यूरोपियन मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित कुछ रिसर्च के अनुसार, बादाम का तेल रूखी त्वचा वाले लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। यह त्वचा की ऊपरी परत में नमी बनाए रखने में मदद करता है, जिससे त्वचा कम रूखी महसूस होती है। एक्जिमा और सोरायसिस जैसी कुछ त्वचा संबंधी समस्याओं में भी डॉक्टर कई बार मॉइस्चराइजिंग के रूप में बादाम के तेल का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। हालांकि ऐसी बीमारियों में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

फटी एड़ियों की समस्या भी बादाम के तेल से कुछ हद तक कम होती है। हालांकि, अगर घाव, एलर्जी या संक्रमण हो, तो तेल लगाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

पेड़ों और हरियाली वाले इलाकों में बुजुर्ग आबादी रहती है डिप्रेशन से कोसों दूर : शोध

डिप्रेशन एक आम मानसिक विकार है। इससे दुनिया के लगभग 28.0 करोड़ लोग जूझ रहे

सिडनी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, डिप्रेशन एक आम मानसिक विकार है। इससे दुनिया के लगभग 28.0 करोड़ लोग जूझ रहे हैं। आंकड़ों की मानें तो दुनिया के 5.7 फीसदी बुजुर्ग डिप्रेशन से पीड़ित हैं। डिप्रेशन की वजह अनगिनत हैं, लेकिन हाल की एक स्टडी कैसे इससे बचा जा सकता है इस ओर ध्यान दिलाती है। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक लंबे समय तक चले अध्ययन में पाया गया है कि अधिक वृक्षों वाले इलाकों में रहने से बुजुर्गों में बढ़ती उम्र के दौरान अवसाद (डिप्रेशन) से बचाव में मदद मिल सकती है।

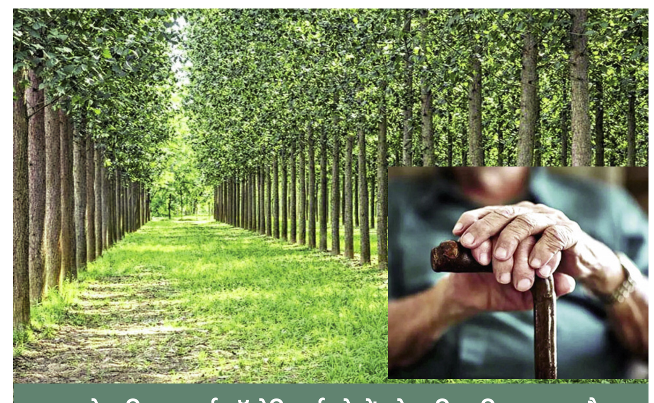

1,000 से अधिक बुजुर्ग ऑस्ट्रेलियाई लोगों को शामिल किया गया और 12 वर्षों तक उनका अध्ययन किया गया। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने ऐसे इलाकों में जीवन बिताया जहां पेड़ों की छाया और हरियाली अधिक थी, उनमें समय के साथ अवसाद के लक्षण कम देखने को मिले

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने ऑस्ट्रेलिया की 'न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के सिडनी सेंटर फॉर हेल्दी ब्रेन एजिंग' (सीएचईबीए) की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 'जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसऑर्डर्स' में प्रकाशित यह शोध स्वस्थ उम्र बढ़ने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अर्बन प्लानिंग की संभावित भूमिका को रेखांकित करता है।

सीएचईबीए ने ऑस्ट्रेलियन कैथोलिक यूनिवर्सिटी के सहयोग से यह अध्ययन किया। इसमें 70 से 90 वर्ष की आयु के 1,000 से अधिक बुजुर्ग ऑस्ट्रेलियाई लोगों को शामिल किया गया और 12 वर्षों तक उनका अध्ययन किया गया। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने ऐसे इलाकों में जीवन बिताया जहां पेड़ों की छाया और हरियाली अधिक थी, उनमें समय के साथ अवसाद के लक्षण कम देखने को मिले।

शोधकर्ताओं ने यह जांच की कि आसपास के पर्यावरण से जुड़ी कौन-कौन सी चीजें जैसे पेड़ों की छतरी (ट्री कैनोपी), पार्क, समुद्र, नदियों और झीलों तक पहुंच, जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता और वायु प्रदूषण अवसाद के लक्षणों में बदलाव से जुड़ी हैं।

अध्ययन में कहा गया कि लंबे समय तक अधिक पेड़ों वाले वातावरण में रहने का संबंध लगातार कम अवसाद स्तर से पाया गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि दुनिया भर में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग हर पांच वयस्कों में से एक व्यक्ति अवसाद से प्रभावित होता है।

खराब जीवनशैली और पीठ की जकड़न से हैं परेशान? रोजाना करें 'सेतु बंध सर्वांगासन'

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आज की जीवनशैली की व्यस्तता, गलत बैठने के तरीके और तनावपूर्ण माहौल में शरीर और मन को स्थिरता मिलना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में 'सेतु बंध सर्वांगासन' एक संजीवनी की तरह कार्य करता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, सेतु बंध सर्वांगासन (ब्रिज पोज) एक शक्तिशाली योगासन है जो छाती को खोलता है, पीठ को मजबूत बनाता है और मन को शांत करता है। इसकी संरचना और शरीर पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के कारण ही इसे यह नाम मिला है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से कमर दर्द और पीठ के निचले हिस्से की जकड़न को कम करने में मदद मिलती है। यह थायरॉइड ग्रंथि को उत्तेजित करता है, जिससे हार्मोनल संतुलन में सुधार होता है। साथ ही, यह तनाव और अवसाद को कम करने भी मदद करता है। इसके अलावा, पाचन तंत्र को

यह थायरॉइड ग्रंथि को उत्तेजित करता है, जिससे हार्मोनल संतुलन में सुधार होता है। साथ ही, यह तनाव और अवसाद को कम करने भी मदद करता है।

बेहतर बनाता और रक्त संचार का फ्लो भी सही रखता है। महिलाओं में पीरियड्स से जुड़ी समस्याओं को कम करने में भी प्रभावी है। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। अपने हाथों को शरीर के दोनों तरफ रखें, हथेलियां नीचे की ओर हों। अब दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ें और पैरों को कूल्हों के पास लाएं, ताकि पैर जमीन पर सपाट रहें। सांस अंदर लेते हुए अपने कूल्हों, कमर और पीठ के निचले हिस्से को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं। आप अपने हाथों की उंगलियों को जमीन पर आपस में इंटरलॉक करके कंधों को थोड़ा और अंदर की ओर खिसका सकते हैं। चाहें तो हाथों से टखनों को भी पकड़ सकते हैं।

इस अवस्था में ठुड्डी को सीना छूने का प्रयास करें। आपका सारा वजन कंधों, भुजाओं और पैरों पर होना चाहिए। सामान्य रूप से सांस लेते रहें और इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक रुकें। सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे अपनी कमर और पीठ को वापस जमीन पर ले आएं। यदि आपकी गर्दन या पीठ में कोई गंभीर चोट या समस्या है, तो इस आसन को करने से बचें।

छोटी-छोटी सावधानियां बरत कर मौसमी इंफेक्शन से बचें, पैरों को साफ और सूखा रखना चाहिए

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बरसात के मौसम में केवल गर्मी से ही राहत नहीं मिलती, बल्कि मौसमी इंफेक्शन का भी खतरा रहता है। छोटी-छोटी सावधानियां बरतने से मौसमी इंफेक्शन से बचा जा सकता है, जिससे सेहत बनाए रखने में मदद मिलती है और बीमारियां नहीं होती हैं।

मौसमी इंफेक्शन से बचने के लिए आयुष मंत्रालय की ओर से जानकारी साझा की गई है। आयुष मंत्रालय ने बताया है कि एक हेल्दी मानसून की शुरुआत साफ-सफाई की आसान आदतों से होती है। रोजाना की छोटी-छोटी सावधानियां मौसमी इंफेक्शन से बचाने और पूरी सेहत को बनाए रखने में बहुत मदद कर सकती हैं। आयुष मंत्रालय ने मौसमी इंफेक्शन से बचने के लिए हाइजीन चेकलिस्ट जारी की है। बताया गया है कि बरसात के मौसम में हाथ को नियमित तौर पर साबुन और पानी से धोना चाहिए। गीले कपड़े को तुरंत बदले चाहिए। अपने पैर साफ और सूखा रखना चाहिए। पानी जमा होने से रोकने के लिए अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए और मच्छरों को कम

करने के लिए कचरे को ठीक से फेंकना चाहिए। अगर इन छोटी-छोटी सावधानियों को बरता जाता है तो मौसमी इंफेक्शन से बचा जा सकता है।

आयुष मंत्रालय ने बीते दिन खांसी के आम लक्षणों को पहचानने और आयुष पर आधारित आसान सेल्फ-केयर उपायों के बारे में जानकारी दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर आयुष मंत्रालय ने लिखा

बरसात के मौसम में हाथ को नियमित तौर पर साबुन और पानी से धोना चाहिए। गीले कपड़े को तुरंत बदले चाहिए। अपने पैर साफ और सूखा रखना चाहिए। पानी जमा होने से रोकने के लिए अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए

था, 'लक्षणों से लेकर सेहत तक, बेहतर सांस की सेहत की ओर पहला कदम उठाएं। खांसी के आम लक्षणों को पहचाने और आयुष पर आधारित आसान सेल्फ-केयर उपायों के बारे में जानें जो एक हेल्दी लाइफस्टाइल के हिस्से के तौर पर आराम और रिकवरी में मदद कर सकते हैं।'

सूखी खांसी के लिए आयुष मंत्रालय ने बताया था कि मुलेठी (लिकोरिस) या लौंग का एक छोटा टुकड़ा मुंह में रखना चाहिए वासा (अधातोडा वासिका) के पत्तों का काढ़ा या पाउडर लेना चाहिए सोते समय हल्दी के साथ गर्म दूध और शहद के साथ गुनगुना अदरक या अदरक-तुलसी का काढ़ा लेना फायदेमंद होता है। इसके साथ ही गर्म नमक के पानी से गरारे और भाप लेना चाहिए। लौंग, अदरक और इलायची को पाउडर या काढ़े के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए।

आयशा जुल्का: 'पहला नशा' से मिला स्टारडम फिर 'दलाल' विवाद ने बदल दी अभिनेत्री की राह

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आमिर खान के साथ 'जो जीता वही सिकंदर' की अंजली हो या अक्षय कुमार के साथ 'खिलाड़ी' की नेहा, अभिनेत्री आयशा जुल्का ने अपने किरदारों से बॉलीवुड में अलग पहचान बनाई। अपने करियर के पीक में वह ऐसे विवाद से भी गुजरीं, जिसने फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों की सहमति और अधिकारों को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। यह मामला उनकी फिल्म 'दलाल' से जुड़ा था, जिसमें आयशा ने एक फैसले पर आपत्ति जताई थी। आयशा जुल्का का जन्म 28 जुलाई 1972 को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुआ था। उनके पिता विंग कमांडर इंदर कुमार जुल्का भारतीय वायुसेना में थे। बचपन से ही आयशा को फिल्मों में दिलचस्पी थी। जब वह करीब 11 साल की थीं, तब उनका परिवार मुंबई आ गया। यहीं से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। आयशा ने फिल्मों में कदम बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट रखा था। साल 1983 में आई फिल्म 'कैसे कैसे लोग' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में काम किया था। इसके बाद, साल 1990 में उन्होंने तेलुगू फिल्म 'नेती सिद्धार्थ' से फिल्मों में शुरुआत की। हिंदी सिनेमा में उन्हें पहला बड़ा मौका साल 1991 में सलमान खान के साथ फिल्म 'कुर्बान' में मिला।

इसके बाद साल 1992 में आई फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' ने आयशा की किस्मत बदल दी। आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म का गाना 'पहला नशा' आज भी लोगों की जुबान पर है और आयशा को आज भी इसी गाने की वजह से पहचाना जाता है। इस फिल्म के बाद वह 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

'मुझको राणाजी माफ करना' के नए वर्जन में दिखीं माहिरा शर्मा

आइकॉनिक गाने को रीक्रिएट करना आसान नहीं होता: माहिरा

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। 90 के दशक के कई गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इनमें से एक है फिल्म 'करण अर्जुन' का मशहूर गीत 'मुझको राणाजी माफ करना', जिसने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। अब इस सदाबहार गाने को नए अंदाज में 'राणाजी 2.0' के नाम से पेश किया गया है।

नए वर्जन में अभिनेत्री माहिरा शर्मा नजर आ रही हैं। इस पर माहिरा का कहना है कि इतने लोकप्रिय गाने को रीक्रिएट करना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही बहुत बड़ी थीं। माहिरा शर्मा ने कहा, ''जब आप किसी आइकॉनिक गाने से जुड़ते हैं तो थोड़ा दबाव जरूर होता है, क्योंकि उन गानों से लोगों की पुरानी यादें जुड़ी होती हैं। मेरी कोशिश रही कि मैं अपनी अलग एनर्जी लेकर आऊं, लेकिन गाने की असली

पहचान और एहसास को भी बरकरार रखूं।'' उन्होंने कहा, ''राणाजी 2.0' की म्यूजिक, कोरियोग्राफी और वीडियो का पूरा लुक मिलकर एक नया अनुभव देता है। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह पूरी टीम ने इस गाने को बनाते समय आनंद लिया, उसी तरह दर्शक भी इसे देखकर खूब पसंद करेंगे।'' इस गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांस डायरेक्टर रेमो डिसूजा ने की है। उन्होंने कहा, ''समय के साथ डांस का अंदाज काफी बदल गया है और यही बात 'राणाजी 2.0' को खास बनाती है। हमारी कोशिश थी कि गाने के विजुअल्स नए और मनोरंजक हों, लेकिन उसकी पुरानी पहचान भी बनी रहे। हम चाहते थे कि जिन्होंने सालों से इस गाने को पसंद किया है और जो पहली बार इसे सुन रहे हैं, दोनों ही इसे देखने का आनंद लें।''

सीएमएफआरआई ने लॉन्च किया 'शार्क अवेयर' ऐप

संकटग्रस्त समुद्री जीवों के संरक्षण को मिलेगी मजबूती

कोच्चि, 27 जुलाई (एजेंसियां)। समुद्री संरक्षण और डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) ने दो तकनीक आधारित मंच शुरू किए हैं। इनका उद्देश्य संकटग्रस्त शार्क और रे मछलियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

इस क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा

सोमवार को संस्थान ने 'शार्क अवेयर' मोबाइल ऐप और एक इंटरैक्टिव ई-लर्निंग मॉड्यूल लॉन्च किया। यह समुद्री जैव विविधता के संरक्षण को मजबूत करने और इस क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य के मत्स्य पालन मंत्री वी.ई. अब्दुल गफूर ने कोच्चि स्थित सीएमएफआरआई मुख्यालय में इन दोनों पहलों की शुरुआत की।

नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड (एनएफडीबी) की आर्थिक सहायता से तैयार किए गए इन प्लेटफॉर्म का उद्देश्य मछुआरों, मत्स्य विभाग के अधिकारियों, वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों, शोधकर्ताओं और छात्रों को शार्क और रे मछलियों की संरक्षित प्रजातियों की सही पहचान करने में मदद करना है। इससे संरक्षण से जुड़े नियमों का बेहतर तरीके से पालन सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

यह मोबाइल ऐप वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 (2022 में संशोधित) की अनुसूची-1, अनुसूची-2 और अनुसूची-4 में शामिल संरक्षित शार्क और रे मछलियों की प्रजातियों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराता है। प्रजातियों की पहचान के अलावा यह ऐप उपयोगकर्ताओं को इन समुद्री जीवों से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी, उन्हें मिली कानूनी सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े नियमों और इनके संरक्षण के पर्यावरणीय महत्व के बारे में आसान भाषा में जानकारी देता है। सीएमएफआरआई के फिनफिश मत्स्य पालन विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. लिवी विल्सन, जिन्होंने इस परियोजना का नेतृत्व किया, ने बताया कि यह ऐप समुद्री मत्स्य पालन और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों के बीच जानकारी की कमी को दूर करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, 'यह ऐप लोगों को संरक्षित शार्क और रे मछलियों की सही पहचान करने में मदद करेगा साथ ही, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने और इन प्रजातियों के संरक्षण के प्रयासों को भी मजबूत करेगा।'

प्रोजेक्ट समर्थ ने बदली जिंदगी: बधिर समाज के सशक्त प्रहरी बने मनीष पवार

गाजियाबाद, 27 जुलाई (देशबन्धु)। जन्म से श्रवण बाधित होने के बावजूद जीवन की कठिन परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बनाने वाले गाजियाबाद निवासी मनीष पवार आज बधिर एवं दिव्यांग समाज के लिए प्रेरणा, संघर्ष और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण बन चुके हैं। उन्होंने न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि हजारों बधिर एवं दिव्यांग व्यक्तियों को उनके अधिकार दिलाने, सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का कार्य भी किया है। मनीष पवार की पत्नी भी श्रवण एवं वाणी बाधित हैं। दोनों ने संचार संबंधी कठिनाइयों, सामाजिक उपेक्षा और अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए यह साबित किया है कि यदि अवसर, सहयोग और दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो दिव्यांगता कभी भी सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। बधिर व्यक्तियों को सामान्य जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, बैंकों, विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में सांकेतिक भाषा जानने वाले व्यक्तियों की कमी के कारण उन्हें अपनी बात समझाने और आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में परेशानी होती है। शिक्षा, रोजगार, सरकारी योजनाओं एवं सामाजिक सहभागिता तक समान पहुंच का अभाव भी उनके सामने बड़ी चुनौती है।

इन्हीं चुनौतियों को समझते हुए मनीष पवार वर्षों से बधिर समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। वे नेशनल एसोसिएशन ऑफ द डेफ, नई दिल्ली के सदस्य, अखिल भारतीय बधिर संघ, नई दिल्ली के कार्यकारिणी सदस्य तथा उत्तर प्रदेश बधिर फेडरेशन, लखनऊ सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े रहे हैं। उनके प्रयासों से अनेक दिव्यांगजन यूडीआईडी कार्ड, दिव्यांग पेंशन, छात्रवृत्ति, ड्राइविंग लाइसेंस, शिक्षा एवं अन्य सरकारी

योजनाओं का लाभ प्राप्त कर चुके हैं।

वर्तमान में शल मनीष पवार नींव शक्ति संस्था के सहयोग से संचालित 'प्रोजेक्ट समर्थ - सामर्थ्यं ही पहचान' के अंतर्गत बधिर एवं दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, सामाजिक जागरूकता और सशक्तिकरण के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। वे दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने, आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने, रोजगार के अवसरों से जोड़ने तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। खेलों के क्षेत्र में भी उनका उल्लेखनीय योगदान है। वे स्वयं एक क्रिकेट खिलाड़ी हैं तथा बधिर खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। डेफ एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश एवं ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ द डेफ के माध्यम से वे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर उपलब्ध कराने में सहयोग करते हैं। उनका मानना है कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी सशक्त साधन है। मनीष पवार वर्तमान में जिला प्रशासन गाजियाबाद के अपर जिलाधिकारी (नगर) कार्यालय में डाक डिस्पैचर के पद पर कार्यरत हैं। सरकारी सेवा में रहते हुए भी वे समाज सेवा के लिए समय निकालते हैं तथा बधिर समाज की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए सतत प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि 'मैं स्वयं श्रवण बाधित हूं, इसलिए दिव्यांगजनों की समस्याओं को बहुत करीब से समझता हूं। आज मेरा उद्देश्य है कि अधिक से अधिक दिव्यांगजन शिक्षा, कौशल, रोजगार और सरकारी योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें तथा समाज की मुख्यधारा में सम्मान के साथ अपनी पहचान स्थापित करें।'

प्रेरणा की मिसाल

मनीष पवार की जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और समाज के प्रति समर्पण के साथ किसी भी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। प्रोजेक्ट समर्थ के माध्यम से वे आज बधिर एवं दिव्यांग समाज को जागरूक, शिक्षित, संगठित और आत्मनिर्भर बनाने के मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनकी सफलता की कहानी न केवल दिव्यांग समाज, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं। तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

ग्लास्गो में भारतीय वेटलिफ्टरों का चमकदार प्रदर्शन जारी, अब तक 6 में से 5 पदक जीते

कॉमनवेल्थ गेम्स के चौथे दिन वेटलिफ्टरों ने उठाया पदकों का भार, तीन और मेडल जीते

● ग्लासगो / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय वेटलिफ्टरों ने सोमवार को 3 मेडल जीतकर पदकों की झड़ी लगा दी। भारत की युवा वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की रहने वाली ज्ञानेश्वरी ने कुल 199 किलोग्राम (88 किग्रा स्नैच और 111 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया और भारत की झोली में पांचवां पदक डाला। फाइनल में उनका मुकाबला नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला डिडिह से बेहद रोमांचक रहा। ज्ञानेश्वरी ने तीसरे प्रयास में दोनों लिफ्ट सफलतापूर्वक पूरी कर रजत पदक अपने नाम किया।

इससे पहले भारत को वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने स्वर्ण पदक दिलाया था, जबकि ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपांडी ने रजत पदक जीते। वहीं झंडू कुमार ने पुरुषों की हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में 190 किलोग्राम वजन उठाकर भारत को पहला पदक दिलाया। दूसरी ओर, भारतीय जिम्नास्ट प्रतिष्ठा सामंता पदक से मामूली अंतर से चूक गईं। महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में उन्होंने 12.700 और 12.666 अंक हासिल किए। दोनों प्रयासों का औसत 12.683 रहा, जिससे वह छठे स्थान पर रहीं। इधर, भारत के वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीत लिया। उन्होंने स्नैच में 126 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 160 किलोग्राम सहित कुल 286 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

स्वर्ण मलेशिया के अजनिल बिन बिदिन ने 299 किलोग्राम वजन उठाकर जीता। उन्होंने इस प्रदर्शन के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड भी बनाया। पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू को कांस्य मिला। रजत के लिए मुथुपांडी और बारू के बीच कड़ा मुकाबला चला। बारू अंतिम क्लीन एंड जर्क में सफल नहीं हो सके, जिसका फायदा मुथुपांडी को मिला और उन्होंने रजत पदक सुनिश्चित कर लिया।

06 हुई भारत के पदकों की संख्या

संघर्ष के बाद मिली सफलता

राजा मुथुपांडी का खेल सफर संघर्षों से भरा रहा है। वर्ष 2019 में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप के दौरान उनकी दाहिनी कोहनी का लिगामेंट फट गया था, जिसके बाद उन्हें लंबा समय खेल से दूर रहना पड़ा। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स की टीम में जगह नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। वर्ष 2024 में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, 2025 कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में रजत पदक जीता और विश्व चैंपियनशिप में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर वापसी का दम दिखाया।

बिंद्यारानी ने दिलाया छठा पदक

भारत की स्टार वेटलिफ्टर बिंद्यारानी देवी ने ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स की महिला 58 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश को छठा मेडल दिलाया। उन्होंने कुल 199 किग्रा (87+112) वजन उठाकर तीसरा स्थान हासिल किया। यह भारोत्तोलन में भारत का पांचवां और कुल छठा पदक है।

आज के मुकाबले...

28 जुलाई (मंगलवार)

दोपहर 1.00 बजे: लॉन बॉल्स पदक मुकाबले

दोपहर 2.30 बजे: एथलेटिक्स

शाम 6.30 बजे: महिला 63 किग्रा भारोत्तोलन फाइनल

शाम 7.30 बजे: लॉन बॉल्स (नई स्पर्धाएं)

रात 11.00 बजे: महिला 69 किग्रा भारोत्तोलन फाइनल और एथलेटिक्स फाइनल

मीराबाई का छलका दर्द...

भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 48 किग्रा वर्ग में 190 किग्रा वजन उठाकर रिकॉर्ड के साथ लगातार तीसरा गोल्ड मेडल जीत लिया। जीत के बाद मीराबाई ने भावुक खुलासा करते हुए कहा, मैंने दो दिन से कुछ नहीं खाया था। वजन बनाए रखने के लिए उन्होंने दो दिनों तक अन्न-जल का त्याग किया था। मीराबाई ने अपनी सफलता का श्रेय मां और कोच विजय शर्मा को दिया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए उन्हें देश की प्रेरणा बताया।

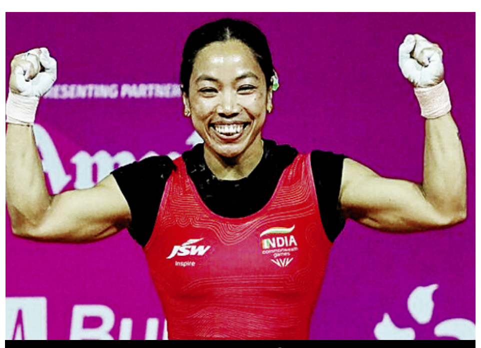

दो दिन से कुछ नहीं खाया था...

पदक तालिका में भारत 8वें स्थान पर

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1.	ऑस्ट्रेलिया	18	9	15	42
2.	कनाडा	6	7	4	17
3.	नाइजीरिया	6	4	0	10
4.	इंग्लैंड	5	10	6	21
5.	स्कॉटलैंड	4	3	1	8
6.	द. अफ्रीका	3	2	4	9
7.	मलेशिया	2	0	2	4
8.	भारत	1	3	2	6
9.	न्यूजीलैंड	0	3	2	5
10.	वेल्स	0	1	5	6

देश का मान...

आईएसएसएफ वर्ल्डकप में ईशा का गोल्ड पर निशाना

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को ब्रॉन्ज से करना पड़ा संतोष

● हांगझोउ / (एजेंसी)

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को 25 मीटर पिस्टल में भारत की ईशा सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, जबकि अनुभवी निशानेबाज मनु भाकर ने कांस्य अपने नाम किया।

विश्व रिकॉर्ड धारक ईशा सिंह ने फाइनल में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पूरे मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 50 शॉट्स में 40 अंक हासिल किए और स्वर्ण पर कब्जा जमाया। ईशा ने मेजबान चीन की युयुए झांग को तीन अंकों से पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। झांग ने 37 अंकों के साथ रजत जीता। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने भी अपने अनुभव और जुझारूपन का शानदार परिचय दिया। कांस्य पदक के मुकाबले में उनका सामना उत्तर कोरिया की ह्योन ग्योंग पाक से हुआ। दोनों खिलाड़ियों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसका फैसला डबल शूटऑफ में हुआ। मनु ने दबाव के क्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। ईशा सिंह के स्वर्ण और मनु भाकर के कांस्य पदक के साथ मौजूदा आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारत की कुल पदक संख्या तीन हो गई है।

03 हुई भारत के पदकों की संख्या

मेडल टैली में भारत दूसरे स्थान पर

हांगझोउ वर्ल्ड कप में मेजबान चीन अब तक 14 पदक जीत चुका है, जिनमें छह स्वर्ण शामिल हैं। चीन पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि भारत तीन पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। भारतीय निशानेबाजों के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन ने आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और प्रमुख टूर्नामेंटों के लिए देश की उम्मीदों को और मजबूत किया है।

कॉमनवेल्थ में भाग लेंगी सेज यूनिवर्सिटी की छात्रा

● भोपाल / (एजेंसी)

सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है। विश्वविद्यालय की एमबीए प्रथम वर्ष की छात्रा इनुंगांबी ताकेल्लाम्बम का चयन भारत की जूडो टीम में महिला अंडर-70 किलोग्राम वर्ग के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में किया गया है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक ग्लासगो, स्कॉटलैंड में हो रहा है। जूडो प्रतियोगिताएं 31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित होंगी। सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल की छात्रा इनुंगांबी ताकेल्लाम्बम का यह चयन विश्वविद्यालय की मजबूत खेल संस्कृति, उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों को दिए जा रहे निरंतर प्रोत्साहन का प्रमाण है। उनकी यह उपलब्धि सेज यूनिवर्सिटी के लिए गौरव का विषय है और यह विश्वविद्यालय के खेल क्षेत्र में बढ़ते योगदान को भी दर्शाती है। सेज यूनिवर्सिटी को पूर्ण विश्वास है कि इनुंगांबी ग्लासगो में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत के साथ-साथ सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल का नाम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगी। विवि परिवार ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

इंग्लैंड में क्रिकेट का नया अध्याय लिखेंगे अब एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका का आरपीएसजी ग्रुप अब इंग्लैंड में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाई देने की तैयारी में है। ग्रुप ने मैनचेस्टर के प्रतिष्ठित ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम के पास अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस सेंटर स्थापित करने का फैसला किया है।

इस परियोजना के तहत ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम के पीछे करीब 2.5 एकड़ जमीन खरीदी गई है। यहां विश्वस्तरीय आउटडोर प्रैक्टिस ग्राउंड, इनडोर नेट्स, हाई-टेक जिम, स्पोर्ट्स साइंस लैब और आधुनिक मेडिकल सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि खिलाड़ियों को पूरे साल बेहतरीन ट्रेनिंग मिल सके। यह हाई-परफॉर्मेंस सेंटर मैनचेस्टर सुपर

ओल्ड ट्रैफर्ड के पास बनेगा हाई-परफॉर्मेंस सेंटर

जायंट्स (पूर्व में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) और लंकाशायर क्रिकेट के खिलाड़ियों के विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।

हाल ही में आरपीएसजी ग्रुप ने द हंड्रेड फ्रेंचाइजी मैनचेस्टर सुपर जायंट्स में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। ऐसे में इस नए निवेश को इंग्लैंड क्रिकेट में समूह की दीर्घकालिक रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।संजीव गोयनका ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल किसी टीम का मालिक बनना नहीं, बल्कि मैनचेस्टर और ओल्ड ट्रैफर्ड की समृद्ध क्रिकेट विरासत में सार्थक योगदान देना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सेंटर भविष्य के क्रिकेटरों को तैयार करने के साथ खेल के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस सुविधा का लाभ केवल मैनचेस्टर सुपर जायंट्स तक सीमित नहीं रहेगा। लंकाशायर की पुरुष-महिला टीमों के अलावा आरपीएसजी ग्रुप के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नेटवर्क से जुड़े खिलाड़ियों को भी यहां प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही, क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी ट्रेनिंग सत्रों को देखने की व्यवस्था किए जाने की योजना है।

ट्रायथलॉन में नीमच ओवरऑल चैंपियन, भोपाल रहा रनरअप

नर्मदापुरम को तीसरा स्थान

● भोपाल / खेल संवाददाता

नीमच में आयोजित 30वीं मध्यप्रदेश राज्य सब जूनियर, जूनियर, एक्वाथलॉन एवं ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में नीमच जिले ने ओवरऑल चैंपियनशिप जीती, जबकि भोपाल रनरअप और नर्मदापुरम तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता का आयोजन नीमच जिला ट्रायथलॉन संघ द्वारा मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन संघ के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेश के 19 जिलों के 230 खिलाड़ियों, 38 कोच एवं मैनेजरों ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में 30 राज्य स्तरीय एवं 20 स्थानीय तकनीकी अधिकारियों ने सहयोग दिया।

खिलाड़ियों एवं सभी प्रतिभागियों को आवश्यक सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गईं। प्रतियोगिता का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल, एसडीएम पराग

जैन, जिला शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या मुदड़ा एवं संघ अध्यक्ष श्रीकांत तिवारी ने किया। छह इवेंट्स का पुरस्कार वितरण 25 जुलाई को पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने किया। इस अवसर पर उन्होंने नशामुक्ति अभियान के तहत खिलाड़ियों, कोच, मैनेजर, अधिकारियों एवं अभिभावकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। 26 जुलाई को आयोजित समापन समारोह में सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक दिलीप सिंह परिहार ने विजेताओं को सम्मानित किया। उत्कृष्ट आयोजन के लिए मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन संघ ने नीमच जिला ट्रायथलॉन संघ को विशेष ट्रॉफी प्रदान की।

पर्पल-ग्रीन थीम में तैयार होगा विश्वस्तरीय टेनिस सेंटर

सऊदी अरब का विंबलडन ऑफ द डेजर्ट

● रियाद / (एजेंसी)

सऊदी अरब ने अपने महत्वाकांक्षी खेल प्रोजेक्ट के तहत एक ऐसे राष्ट्रीय टेनिस सेंटर की योजना का खुलासा किया है, जिसकी डिजाइन काफी हद तक दुनिया के प्रतिष्ठित विंबलडन टूर्नामेंट के आयोजन स्थल ऑल इंग्लैंड क्लब से प्रेरित नजर आ रही है। इसे विंबलडन ऑफ द डेजर्ट (रेगिस्तान का विंबलडन) कहा जा रहा है।

यह विशाल टेनिस सेंटर सऊदी अरब के प्रस्तावित किदिया सिटी में बनाया जाएगा। प्रसिद्ध आर्किटेक्चर फर्म पॉपुलस ने इसका डिजाइन तैयार किया है। सेंटर की थीम में विंबलडन की पहचान माने जाने वाले बैंगनी और हरे रंगों को शामिल किया गया है। सेंटर कोर्ट को घास जैसी बाहरी सजावट दी जाएगी और इसमें अत्यधिक गर्मी से बचाव के लिए रिट्रैक्टेबल रूफ (खुलने-बंद होने वाली छत) लगाई जाएगी। हालांकि, सेंटर कोर्ट में असली घास की जगह हार्ड कोर्ट पर मुकाबले खेले जाएंगे।

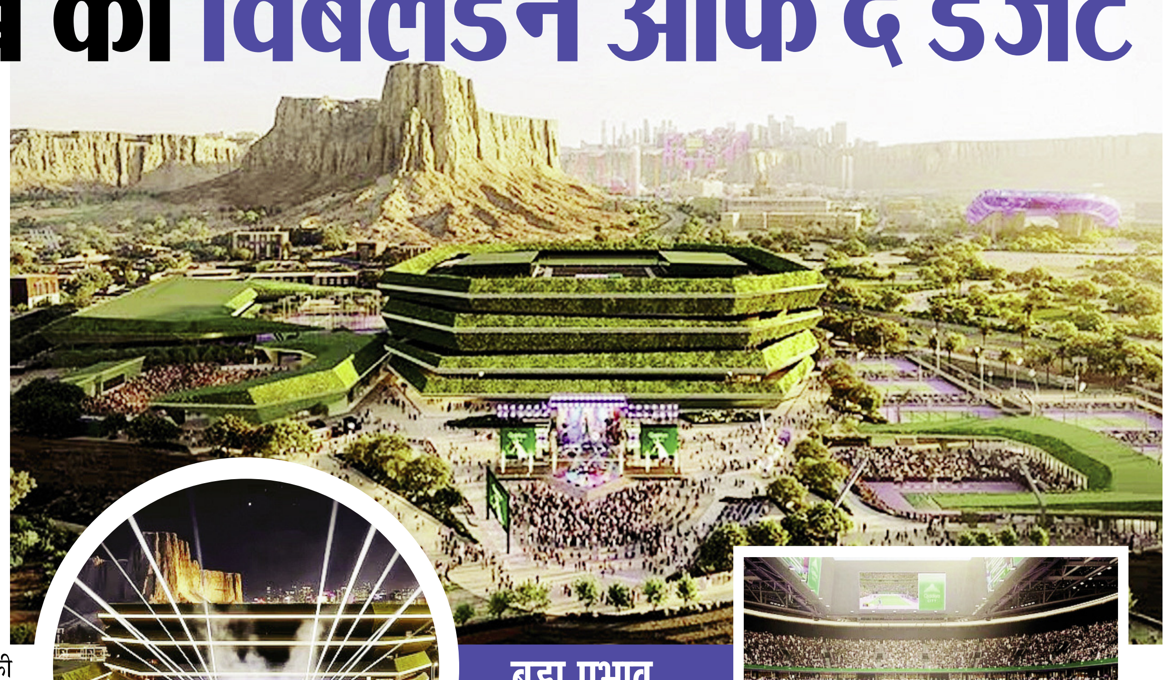

मुख्य कोर्ट में करीब 15 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। पूरे परिसर में 30 कोर्ट बनाए जाएंगे, जिनमें इंडोर, आउटडोर और प्रैक्टिस कोर्ट शामिल होंगे। कुल मिलाकर यहां करीब 33 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। सऊदी अरब के खेल मंत्री अब्दुलअजीज बिन तुर्की अल-फैसल ने कहा कि यह सेंटर देश में टेनिस के विकास की दिशा में एक अहम कदम होगा। किदिया इन्वेस्टमेंट कंपनी के प्रबंध निदेशक अब्दुल्ला अलदाऊद ने इसे विश्वस्तरीय टेनिस केंद्र बताते हुए कहा कि यहां दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे और सऊदी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

परिसर में बनाए जाएंगे 30 कोर्ट, 33 हजार दर्शकों की क्षमता

बड़ा प्रभाव...

एटीपी के सीईओ एनो पोलो ने भी इस परियोजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस स्तर की सुविधाएं वैश्विक टेनिस के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और यह सेंटर आने वाले वर्षों में क्षेत्र के खेल पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

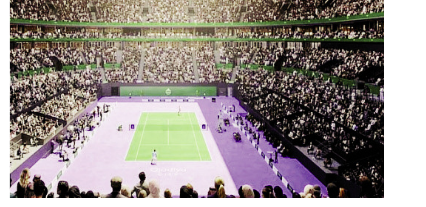

विजन 2030 का हिस्सा है परियोजना

किदिया सिटी सऊदी अरब के विजन 2030 प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसे मनोरंजन, खेल और संस्कृति की राजधानी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह शहर रियाद से करीब 30 मील की दूरी पर बनाया जा रहा है। सऊदी अरब पहले ही टेनिस में बड़ा निवेश कर चुका है। देश के पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड ने एटीपी और डब्ल्यूटीए आयोजनों में निवेश किया है। सऊदी अरब ने 2028 से एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट की मेजबानी का करार भी किया है। इसके अलावा यहां सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट आयोजित किया जाता है, जिसमें नोवाक जोकोविच, कार्लोस अल्काराज और जैनिक सिनर जैसे दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा ले चुके हैं। हालांकि, सऊदी अरब में आयोजित कुछ टेनिस आयोजनों को दर्शकों की सीमित संख्या जैसी चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा है। महिला टेनिस का डब्ल्यूटीए फाइनल्स टूर्नामेंट भी तीन साल के करार के बाद रियाद से स्थानांतरित होने जा रहा है। किदिया सिटी में टेनिस सेंटर के अलावा निक फाल्डो द्वारा डिजाइन किया गया 18 होल गोल्फ कोर्स, घुड़दौड़ स्थल, गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स जोन, परफॉर्मिंग आर्ट्स सेंटर और प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान स्टेडियम जैसी परियोजनाएं भी विकसित की जा रही हैं।

यश दयाल अपने करियर को नई दिशा देने की तैयारी में

नई दिल्ली, आरएनएन। कभी भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए तेज गेंदबाजों में गिने जाने वाले यश दयाल अब अपने करियर को नई दिशा देने की तैयारी में हैं। लंबे समय तक उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले यश आगामी घरेलू सीजन से पहले छत्तीसगढ़ का दामन थामने जा रहे हैं। उनका अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और वह पहले ही कर्नाटक के अलूर में चल रहे छत्तीसगढ़ के प्री-सीजन कैम्प से जुड़ चुके हैं। यश पिछले एक साल से ज्यादा समय से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। उनका आखिरी मान्यता प्राप्त मुकाबला आईपीएल 2025 का फाइनल था, जिसमें बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। आईपीएल 2025 के बाद यश दयाल का क्रिकेट करियर अचानक विवादों में घिर गया। उनके खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में यौन शोषण के आरोप लगाए गए। हालांकि यश दयाल ने इन सभी आरोपों को खारिज किया। पहला मामला गाजियाबाद में दर्ज हुआ, जहां एक महिला ने शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में धोखा देने का आरोप लगाया। इसके बाद जयपुर में दूसरा मामला दर्ज हुआ, जिसमें आरोप लगाया गया कि संबंध की शुरुआत उस समय हुई थी, जब लडक़ी नाबालिग थी। इस मामले में पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गईं।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
689 = 3	259 = 6
234 = 9	550 = 0

शुभांक

दिन	रात
200 = 2	124 = 7
790 = 6	138 = 2

भाग्यांक

0 3 6 9

www.kalyangame.com

जानकारी

प्रेग्नेंसी में न हो बीपी लो

अक्सर प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में लो ब्लड प्रेशर की समस्या सामने आती है। इस दौरान अगर अपना पूरा ध्यान न रखा गया, तो गर्भपात भी हो सकता है। इसलिए डॉक्टर समय-समय पर बीपी के रूटीन चेकअप की सलाह देते हैं। इस बारे में पूरी जानकारी रख कर इस समस्या से बचाव किया जा सकता है।

गर्भावस्था में ब्लडप्रेशर लो होना आम समस्या है। अतः इस दौरान अपना ख्याल रखना भी जरूरी है, ताकि इस समस्या से बचा जा सके। प्रेग्नेंसी के दौरान लो बीपी से कई समस्याएं हो सकती हैं। यह समस्या अक्सर प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीनों में होती है। कई बार जानकारी की कमी से महिलाएं इससे घबरा जाती हैं। इस समस्या से बचने के लिए इसके लक्षणों और बचाव को जानना जरूरी है। शुरुआती दौर में कई महिलाओं को इस दौरान मार्निंग सिकनेस और वोमिटिंग हो सकती है। सिस्टोलिक 120 और डायस्टोलिक 80 को नॉर्मल ब्लड प्रेशर माना जाता है। प्रेग्नेंसी में लगभग सिस्टोलिक 5 से 10 और डायस्टोलिक करीब 10 से 15 तक बीपी कम होता है। अतः समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच जरूरी है। इसके कारण कभी-कभी गर्भपात भी हो सकता है। अधिक रक्त स्राव की वजह से भी ब्लड प्रेशर पर असर पड़ता है। अतः कंसीव करने के बाद नियमित डॉक्टर के संपर्क में रहें। कई बार इक्टोपिक प्रेग्नेंसी के कारण भी बीपी लो हो जाता है।

यह वह अवस्था है जब गर्भ में बच्चा यूटरेस में होने के बजाय या तो ओवरी में होता है या फिर टयूब में। इससे तेज दर्द होता है और शिशु के बढ़ने के साथ ही ट्यूब फट जाता है। इसके कारण भी भारी रक्तस्त्रव होता है, जो काफी खतरनाक है। अत- प्रेगनेंट होने पर एक बार डॉक्टर से जांच अवश्य करवाएं।

इन बातों का रखें ख्याल

अगर लो बीपी की समस्या है, तो लिक्विड ज्यादा लेना चाहिए। खूब पानी पीएं और खुद को डीहाइड्रेशन से बचाएं। हेल्दी और बैलेंस्ड डायट लें। इसके अलावा विटमिन और फॉलिक एसिड भी रोजाना लें जो डॉक्टर ने बताया हो। खुद को फूड प्वाइजनिंग से बचाएं। डॉक्टर के अनुसार जो भी ब्लड टेस्ट हो, उसे जरूर कराएं। इससे डायबिटीज, ब्लड शूगर, एनिमिया और ब्लड से जुड़ी अन्य समस्याओं का भी पता चलेगा। इसके अलावा ब्लड टेस्ट से बीपी के अलावा बच्चे की सेहत और विकास भी जानकारी मिलेगी।

लो बीपी की समस्या प्रसव के बाद प्रायः समाप्त हो जाती है। फिर भी इस दौरान कुछ अन्य बातों का ध्यान रखकर इस समस्या से बचा जा सकता है। लो बीपी की परेशानी होने पर बायीं करवट सोएं। इससे दिल में रक्त का प्रवाह सही होगा। झटके से न बैठें और न ही खड़े हों। ज्यादा देर तक खड़े न रहें, कैफीन और शराब का सेवन न करें। एक बार में ज्यादा न खाएं। थोड़ा-थोड़ा करके अधिक बार खाएं। प्रेग्नेंसी के 16वें सप्ताह के बाद पीठ के बल ज्यादा देर तक न लेटें। इसके अलावा अगर चक्कर आए, तो तुरंत कुर्सी या बेड पर बैठ जाएं। इससे इंज्यूरी से बचा जा सकता है।

पहचानें इसके लक्षण

हल्का सिर दर्द, चक्कर आना, उबकाई आना, कमजोरी महसूस होना, धुंधला दिखना, ये सारे लक्षण लो बीपी के हैं। इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे, तो डॉक्टर से तुरंत दिखाएं।

सीजेरियन के बाद ऐसे रखें ख्याल

सीजेरियन डिलिवरी होने के बाद कई बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है। कई चीजों से परहेज भी रखना पड़ता है। इन सुझावों को अपना कर कम समय में रिकवरी संभव है।

सजरी के कारण कभी-कभी दर्द की शिकायत होती है। ऐसे में डॉक्टर से पेन किलर ले सकते हैं।

एक्टिव रहें: सजरी के बाद बैठने से अच्छा है कि कुछ चलते-फिरते रहें। इससे रक्त संचरण सुचारू रहेगा और रक्त का थक्का बनने की आशंका भी कम होगी।

ब्रेस्ट फीडिंग: ब्रेस्ट फीडिंग कराने से कई प्रकार के फायदे होते हैं। इससे बच्चे को तो फायदा होता ही है। यह अप्रत्यक्ष रूप से मां का वजन घटाने में भी मददगार है। इसके अलावा भी मां को इससे कई फायदे होते हैं।

ढीले कपड़े पहनें: सजरी के बाद चुभने वाले कपड़ों से परहेज रखना चाहिए। सूती और ढीले कपड़े पहनना अच्छा होता है, जिससे शरीर को आराम मिले।

लंबे समय तक व्रत न रखें गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को लंबे समय तक भूखा नहीं रहना चाहिए। दरअसल लंबे समय तक भूखा रहने से आपके शरीर में ग्लूकोज का स्तर बहुत अधिक कम हो सकता है, जो कई बार खतरनाक स्थिति हो सकती है। शरीर में ग्लूकोज की कमी से महिला हाइपोग्लाइसीमिया का शिकार हो सकती है, जो शिशु के लिए जानलेवा स्थिति हो सकती है। इसलिए लंबे समय तक भूखा रहने से बचें।

व्रत के दौरान सावधानी बरतें गर्भवती महिलाएं

सुहागिन स्त्रियों के लिए पर्व काफी महत्व रखते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान और झारखंड के साथ ही देश के सभी राज्यों में पर्व हिंदू परिवारों में बड़ी धूमधाम से मनाए जाते हैं। महिलाएं इस दिन अपने पति की लंबी आयु और परिवार की सलामती के लिए व्रत रखती हैं और नए कपड़े-चूड़ियां आदि पहनकर पूजा करती हैं। व्रत-त्यौहारों में बताए गए नियमों का पालन तो जरूरी है, लेकिन कुछ विशेष स्थितियों में आपको अतिरिक्त ध्यान देने की भी जरूरत पड़ती है। जैसे- यदि कोई महिला प्रेग्नेंट है, यानी गर्भ से है, तो उसे व्रत के दौरान कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए, ताकि उसके और होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य पर इसका असर न पड़े। आइए आपको बताते हैं व्रत के दौरान गर्भवती महिलों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

शरीर की जरूरत के अनुसार बनाएं प्लान

गर्भवती महिला के शरीर की जरूरतें सामान्य महिला से बहुत ज्यादा अलग होती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं में आयरन, कैल्शियम और एनर्जी की जरूरतें बढ़ जाती हैं। इसलिए यदि कोई महिला प्रेग्नेंट है, तो उसे व्रत के बारे में पहले से थोड़ी प्लानिंग कर लेनी चाहिए। क्या खाना है, कब खाना है और कितना खाना है, इस बारे में चाहें तो अपने डॉक्टर या डायटीशियन से बात कर लें, ताकि आपको और शिशु को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

निर्जला व्रत न रखें प्रेग्नेंट महिलाएं

गर्भवती महिला को कभी भी निर्जला व्रत नहीं रखना चाहिए। गर्भ में भ्रूण के विकास के दौरान महिला के शरीर में पानी की जरूरतें भी बढ़ जाती हैं। डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) शिशु के लिए खतरनाक हो सकता है। गर्मी और बारिश के कारण उमस बढ़ने से इस मौसम में पसीना निकलने, प्यास ज्यादा लगने और पेशाब ज्यादा लगने के कारण, शरीर की पानी की जरूरतें बढ़ जाती हैं। इसलिए व्रत के दौरान तरल आहार जैसे- सादा पानी, नींबू पानी, फलों का जूस, छाछ आदि का सेवन करती रहें।

चाय-कॉफी कम पिएं

प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत सारी महिलाओं को गैस, कब्ज और बदहजमी की समस्याएं होती हैं। व्रत के दौरान बहुत सारे लोग चाय-कॉफी खूब पीते हैं। मगर गर्भवती महिलाओं को ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि चाय-कॉफी में मौजूद तत्व आपके पेट की समस्या को और बढ़ा सकते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान व्रत में रखें अन्य सावधानियां

- गर्भवती महिलाएं व्रत के दौरान झूला न झूलें और न ही पेट पर दबाव डालने वाला कोई काम करें।
- बहुत देर तक एक ही जगह पर बैठें, लेटें या खड़ी न रहें। इसके बजाय थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ दूर चलकर अपने शरीर में रक्त प्रवाह (ब्लड सर्कुलेशन) को ठीक करें।
- भूख कम करने के लिए और कमजोरी दूर करने के लिए आप मुख्य खाने के अतिरिक्त बीच-बीच में ड्राई फ्रूट्स (सूखे मेवे) खा सकती हैं।
- व्रत के दौरान बहुत अधिक मीठी चीजें, रिफाइंड शुगर वाली चीजें खाने से परहेज करना चाहिए। ये शिशु के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके बजाय फल और कच्ची सब्जियां खाएं, जिससे आपको प्राकृतक शुगर के साथ पर्याप्त फाइबर भी मिल सके।

सुझाव

एंटीबायोटिक लेते वक्त इन 7 बातों का रखें विशेष ख्याल

हालांकि एंटीबायोटिक दवाओं को लेने से आपको तुरंत आराम मिलता है, लेकिन एंटीबायोटिक दवाओं को लेते समय कुछ बातों को ध्यान में रखना बहुत जरूरी होता है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी लें।

एंटीबायोटिक के सेवन के दौरान सावधानी

एंटीबायोटिक दवाइयां सूक्ष्म जीवाणुओं द्वारा बनाई जाती हैं, जो दूसरे-जीवाणुओं को मार देती हैं। इससे आपको तुरंत आराम मिलता है, लेकिन एंटीबायोटिक दवाओं को लेते समय कुछ बातों को ध्यान में रखना बहुत जरूरी होता है। सबसे पहले दवा को पूरी तरह प्रभावशाली करने के लिए दवाओं को ठीक प्रकार से लेना बहुत जरूरी होता है। सही तरीके से दवा न लेने से एंटीबायोटिक प्रतिरोध करने लगती है और इसका मतलब आपको अन्य कोर्स लेने की जरूरत है। आइए जानें एंटीबायोटिक दवाओं को लेते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

एंटीबायोटिक कोर्स को पूरा करें

एंटीबायोटिक दवाओं को लेते समय इस बात को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है कि निर्धारित एंटीबायोटिक दवाओं के कोर्स को पूरा करे। अक्सर लोग ठीक महसूस होने के बाद और अधिक दवाओं को लेने की जरूरत महसूस नहीं करते। ऐसा करने से पूरा कोर्स बेकार हो जाता है। इसलिए चिकित्सक द्वारा निर्धारित दिनों की सही संख्या के अनुसार दवाएं लें।

प्रोबायोटिक्स को अपने आहार में शामिल करें

जब भी आप एंटीबायटिक का कोर्स लेते हैं, तब आपको नियमित आधार पर दही के रूप में प्रोबायोटिक्स भी लेना चाहिए और कोर्स पूरा होने के बाद प्रोबायोटिक्स लंबे समय तक जारी रखना चाहिए। प्रोबायोटिक्स अपने आहार का नियमित हिस्सा बनाना आपके लिए अच्छा विचार है।

शराब से दूरी

शराब एंटीबायोटिक दवाओं की गतिविधि या चयापचयन में दखल देती है। इससे लिवर एंजाइम की गतिविधि प्रभावित होती है, जिससे एंटीबायोटिक दवाओं का प्रभाव खत्म हो जाता है। इसलिए ऐसे एंटीबायोटिक्स लेने के दौरान शराब का सेवन नहीं करना चाहिए।

कब लेनी चाहिए

एंटीबायोटिग दवाओं को सही समय पर लेना भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर आपको एक दिन में दो बार दवा लेने के लिए कहा गया है, तो आपको दवा की एक भी खुराक को छोड़ना नहीं चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि दवा आपको खाने से पहले लेनी चाहिए या बाद में। क्योंकि कुछ दवाओं को खाली पेट और कुछ को भोजन के बाद लेना होता है। हमेशा लेबल को पढ़े और अपने डॉक्टर या फार्मासिस्ट से दवा लेने के सही समय के बारे में पूछें।

साइड इफेक्ट

आमतौर पर एंटीबायोटिक दवाओं को सुरक्षित और अच्छी तरह सहन करने योग्य माना जाता है, पर ये व्यापक रूप से प्रतिकूल प्रभाव से भी जुड़ी हुई होती है। विविध रूपों वाली और पूरी तरह एंटीबायोटिक के उपयोग और लक्ष्यित किये जाने वाले सूक्ष्मजीवों पर निर्भर होते हैं। एंटीबायोटिक के साइड इफेक्ट बुखार और मिचली से लेकर फोटोडर्माटाइटिस और एनाफिलिक्स जैसे बड़े एलर्जी तक के रूप में देखने को मिल सकते हैं।

कुछ खाद्य पदार्थों से बचें

कुछ एंटीबायोटिक दवाएं कैल्शियम और आयरन जैसे विटामिन और मिनरल लेने के दौरान प्रभावी नहीं होती है। अगर ऐसा है तो दवाओं के लेने के दौरान कैल्शियम और आयरन के सप्लीमेंट और कैल्शियम युक्त आहार को लेने से बचना चाहिए। इसके साथ ही एंटीबायोटिक के सेवन के दौरान या बाद में कई महीनों तक आपके पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए आसानी से पचने वाला और हल्के भोजन का सेवन करना चाहिए।

गर्भावस्था में जरूरी होने पर लें दवाएं

अगर आप गर्भवती हैं और आपको एंटीबायोटिक दवाएं लेने के लिए कहा गया है, तो इस बात का ध्यान रखें कि डॉक्टर आपकी गर्भावस्था के बारे में जानता हो। कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का गर्भावस्था के दौरान इस्तेमाल नहीं कराना चाहिए, इसलिए आपके डॉक्टर को पता होना चाहिए, ताकि वे गर्भवती महिलाओं के लिए उपयुक्त दवाएं आपके लिए बताए।

कहीं आपको डिमेंशिया का शिकार तो नहीं बना रही दवाएं

हम अपने जीवन में कई तरह की दवाओं का रोज सेवन करते हैं, कभी डॉक्टर की सलाह से तो कभी अपनी मर्जी से, लेकिन हम नहीं जानते इन्हीं में से कई दवाएं हमें डिमेंशिया का शिकार बना सकती हैं। डिमेंशिया एक मानसिक रोग है और इसके कई प्रकार हैं, जिनमें से अल्जाइमर प्रमुख है। इस रोग में मनुष्य की मानसिक समझ धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है और भूलने की बीमारी से लेकर अन्य कई मानसिक बीमारियां उसे घेरने लगती हैं। आलेख में हम जानेंगे कि कैसी दवाएं हमें डिमेंशिया की ओर ले जाती हैं-

एलर्जी की दवा संभलकर लें: बहुत से लोगों को विभिन्न तरह की एलर्जियां होती हैं और उसके लिए वह डॉक्टर की सलाह पर कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं, लेकिन आपको अपने डॅक्टर से इस बारे में बातचीत करनी चाहिए कि उस दवा में एंटीहिस्टामाइन तत्व की मात्रा अनियंत्रित तो नहीं है, जो कि आमतौर पर इस तरह की दवाओं का सामान्य अंग होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन, सियाटेल के एक शोध में यह पाया गया कि इस तरह की दवाओं का तीन वर्ष से लगातार सेवन कर रहे लोगों में डिमेंशिया होने की संभावना सामान्य लोगों की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक होती है।

नींद की गोली से करें तौबा: जब कभी आप लंबी उड़ान तय करके एक देश से दूसरे देश की यात्रा करते हैं तो नींद में खलल पड़ जाता है, ऐसे समय में डॉक्टर से पूछताछ करके कभी-कभी नींद की गोली लेना कोई ज्यादा नुकसानदायक नहीं है, लेकिन अगर यह आपकी रोज की आदत में शुमार है तो आपको सचेत होने की जरूरत है, क्योंकि न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक शोध में यह पाया गया कि 65 की उम्र पार कर चुके 10 प्रतिशत लोग ऐसे जिन्हें लगता है कि वे डिमेंशिया के शिकार हैं, वास्तव में वह नींद की गोलियों के साइड इफैक्ट से जूझ रहे होते हैं। इसलिए बेहतर यह होगा कि आप अभी से अपनी दिनचर्या सुधारें और नींद के लिए योग पर निर्भर रहें। योग इस काम में बेहतर विकल्प हो सकता है।

क्या कहते हैं शोध: माउंट सिनाई स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोध में ही यह पाया गया कि नींद की गोलियां हमारे शरीर और मस्तिष्क को निष्क्रिय बनाती हैं और लोगों की इसकी लत

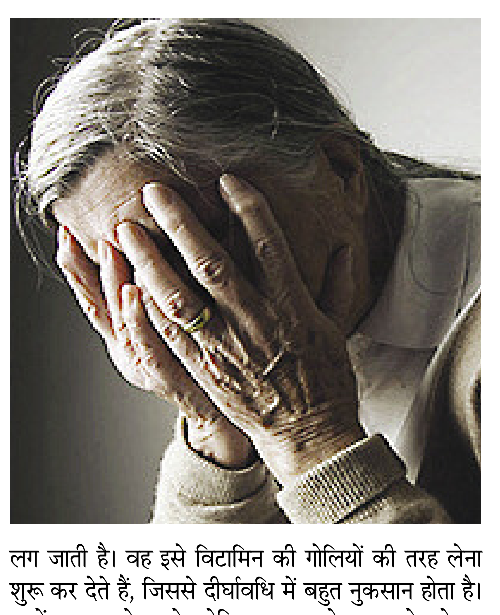

लग जाती है। वह इसे विटामिन की गोलियों की तरह लेना शुरू कर देते हैं, जिससे दीर्घावधि में बहुत नुकसान होता है। इनमें पाए जाने वाले जोल्पिडम, डायजेपम, क्लोनाजेपम, एल्पराजोलम और लोराजेपम जैसे सॉल्ट नींद को बढ़ावा देते हैं, लेकिन हमें डिमेंशिया की ओर ले जाते हैं।

एंटीकॉलिनर्जिक दवाओं का संभलकर करें प्रयोग: एंटीकॉलिनर्जिक एक ऐसा अवयव है, जो यूरिन, अस्थमा और डिप्रेशन से जुड़ी कई आम दवाओं में पाया जाता है। यह आपके नर्वस सिस्टम में बहने वाले एक द्रव एसेटाइलकोलीन के प्रवाह को अवरूद्ध करता है और इससे आपके सोचने की शक्ति पर व्यापक असर पड़ता है। इंडियाना यूनिवर्सिटी के एक शोध में पाया गया कि ऐसी दवाओं का ज्यादा सेवन करने वाले लोगों का मस्तिष्क सिकुड़कर छोटा होता जाता है और जब ऐसे लोगों से सोचने संबंधी काम करने को कहा जाता है तो उनकी क्षमता उनसे कम होती है जो इस दवा का प्रयोग नहीं करते हैं। हालांकि इस बात पर शोधार्थी सहमत नहीं है कि यह डिमेंशिया के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है, लेकिन उसके बहुत से कारणों में से एक अवश्य है। इसलिए बेहतर है कि डॉक्टर की सलाह से ऐसी दवाओं का सीमित इस्तेमाल किया जाए।

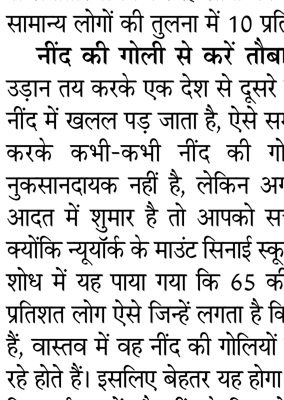

ब्लडप्रेशर की दवा का भी रखें ध्यान

एंटीकॉलिनर्जिक का इस्तेमाल उच्च रक्तचाप, अनियमित धड़कन, माइग्रेन और ग्लूकोमा की दवाओं में भी होता है। इसके अलावा लंबी फेफड़ों संबंधी बीमारी, कोलेस्ट्रॉल स्तर कम रखने वाली और कुछ पेट संबंधी बीमारियों के इलाज में दी जाने वाली दवाओं में भी इस तत्व का प्रयोग होता है। कई अध्ययनों में देखा गया है कि इन दवाओं का अत्यधिक सेवन करने वाले लोगों मे डिमेंशिया के लक्षण देखे गए और जब उन्होंने इन दवाओं का सेवन बंद किया तो उनकी हालत में सुधार हुआ। इन सब समस्याओं से बचने का सबसे बेहतरीन तरीका है कि दवाओं का सेवन संयमित मात्रा में और हमेशा डॉक्टर की सलाह से करें। नियमित और संतुलित जीवन शैली अपनाएं और मानसिक व्यायाम करें, जिसके लिए योग का सहारा लिया जा सकता है।

केवल बुढापा ही नहीं है एल्जाइमर का कारण

छोटी-छोटी बातों को भूल जाने की आदत को अक्सर हम लापरवाही समझ लेते हैं। पर ये लापरवाही नहीं डिमेंशिया या अल्जाइमर के खतरे का संकेत भी हो सकता है। इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि ये बीमारी अब सिर्फ बुढ़ापे तक सीमित नहीं रह गई है। कम उम्र के लोग भी इसका शिकार बन रहे हैं। ये एक गलत धारणा है कि डिमेंशिया या अल्जाइमर जैसी बीमारी सिर्फ बुढ़ापे में हो सकती है। जबकि शोध बताते हैं कि आजकल 30 से 40 की उम्र के लोगों में भी इस बीमारी के लक्षण आसानी से देखे जा सकते हैं। छोटी-छोटी बातों को भूलने की आदत कब हमारे पहचानने, सोचने और समझने की शक्ति को छीन लेती है और उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोगों को एल्जाइमर और डिमेन्शिया जैसी बीमारी का शिकार बना देती है, पता ही नहीं चल पाता। इसलिए कम उम्र मे भी अगर आपको ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हो तो डॉक्टर्स से जरूर मिले।

कम उम्र में अल्जाइमर

मस्तिष्क परिवर्तनशील है, जिसमें उम्र के साथ बदलाव होता रहता है। कम उम्र से ही स्वस्थ जीवनशैली संबंधी आदतों से दिमाग पर बुरे असर को कम किया जा सकता है। जैसे-जैसे पेट का आकार बढ़ता है, दिमाग सिकुड़ने लगता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार 30 वर्ष की आयु में मोटापे के शिकार लोगों में डिमेंशिया होने की आशंका तीन गुणा बढ़ जाती है। डिमेंशिया चालीस-पचास या उससे भी कम उम्र में हो सकता है। नामों को याद न रख पाना, भ्रम होना, व्यवहार परिवर्तन, मूड में तेजी से उतार-चढ़ाव, सामान्य संख्याओं को याद करने एवं लिखने में परेशानी होना, दिमाग पर संतुलन न रहना एवं सामान्य से अलग ढंग से पेश आना जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं।

क्या होते हैं इसके कारण

डब्ल्यूएचओ के अनुसार धूम्रपान करने वालों में डिमेंशिया का खतरा 45प्रतिशत अधिक होता है। दुनियाभर में अल्जाइमर के 14 प्रतिशत मामलों में धूम्रपान प्रमुख कारण के रूप में पाया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार धूम्रपान कई तरह से नुकसान पहुंचाता है। इससे दिमाग की रक्त धमनियां संकरी हो जाती हैं और मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। डिमेंशिया से पीड़ित लोगों को डिमेंशिया का खतरा अधिक होता है। डिप्रेशन एवं अधिक तनाव की स्थिति में शुरुआत से ही उपचार पर ध्यान देना अल्जाइमर को रोकता है। किसी एक अकेले कारण को एल्जाइमर रोग के लिए कारण के रूप में बतलाया नहीं गया है। यह संभव है कि आयु, आनुवांशिक विरासत और परिस्थितियों को शामिल कर संसर्ग कारक इसके लिए जिम्मेवार हैं। नाड़ी संबंधी डिमेंशिया दिमाग के लिए आपूर्ति करने वाली रक्त नसों को क्षति पहुंचने से होता है। कम उम्र से इन समस्याओं से पीड़ित रहना मस्तिष्कीय प्रक्रिया को भी नुकसान पहुंचाता है। एक सीमा से अधिक ग्लूकोज स्तर का बढ़ना चीजों को याद रखने, निर्णय लेने और दिमाग के संकेतों को ग्रहण करने की क्षमता में बाधा पहुंचाता है।

रेसिपी

मशरूम-चेस्टनट स्टफिंग

सामग्री

- मशहरूम: 30 ग्राम
- ताजा ब्रेड का चूरा: 175 ग्राम
- मक्खन (पिघला हुआ): 50 ग्राम
- शाहबलूत (कटे हुए और भुने हुए): 50 ग्राम
- नमक और काली मिर्च
- अजवायन की ताजा पत्तियां: दो बड़े चम्मच
- अखरोट (कटे और भुने हुए): 75 ग्राम

विधि

ओवन को 180-190 डिग्री फारनेहाइट पर प्री-हीट करें। एक बड़े बर्तन में 20 मिलीलीटर उबले पानी में मशरूम को 15 मिनट तक भिगोए रखें। अब करीब 45 मिली लीटर (तीन बड़े चम्मच) पानी मशरूम में रहने दें, बाकी को निकाल दें। अब मशरूम को काटकर बाकी बची हुई सामग्री इसमें डालें। हल्के हाथों से इस मिश्रण की छोटी-छोटी बॉल बनाएं और फॉइल लगी हुई बेकिंग ट्रे पर रखें। ओवनप्रूफ बर्तन की ग्रीसिंग करके उसके ऊपर इन बॉल्स को रखें और करीब 20 मिनट तक हल्का सुनहरा होने तक बेक करें। नॉनवेज डिश के साथ यह शुद्ध बेज साइड डिश अच्छा विकल्प है।

बूंदी लड्डू

सामग्री

- बेसन: 250 ग्राम,
- सूजी: 50 ग्राम
- चीनी: 400 ग्राम
- छोटी इलायची: 3-4
- बूंदी बनाने वाले सांचा या छन्नी/झारा
- पानी: 2 लीटर
- तेल: तलने के लिए
- खाने वाला पीला, हरा, ऑरेंज कलर

विधि

एक बड़े बर्तन में बेसन और सूजी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इसमें धीरे-धीरे पानी डालते हुए मिलाते जाएं। एक बार में ही पूरा पानी न डालें नहीं तो घोल पतला हो जाएगा। घोल ऐसा होना चाहिए कि ये छन्नी से आसानी से छन जाए। तैयार घोल को 15 मिनट के लिए रख देंगे। अब कड़ाही में तेल डालकर गरम कर लें। घोल को तीन अलग-अलग भागों में बांट लें। पहले घोल में दो चुटकी पीला कलर डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। दूसरी कटोरी वाले घोल में एक चुटकी हरा कलर और तीसरी में ऑरेंज कलर डालेंगे। कड़ाही में तेल गर्म होने के बाद सबसे पहले पीली कलर की बूंदी छन्नी से छान लें। तेल में बूंदी को 1 मिनट से ज्यादा न पकाएं। बूंदी को पहले आटा चालने की चलनी में डालें, फिर टिश्यू पेपर पर निकाल लें, जिससे एक्सट्रा ऑयल निकल जाए। अब इसी तरीके से हरी और ऑरेंज कलर की बूंदी भी तल लें। अब एक पैन में चीनी और एक कप से थोड़ा ज्यादा कप पानी डालकर उसकी चाशनी तैयार कर लें। इसे 5 मिनट तक तेज आंच पर उबालें। इसमें थोड़ा-थोड़ा संतरा और पीला कलर मिलाकर आधा तार की चाशनी बना लें। जब चाशनी बन जाए तो इसमें पीली बूंदी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। तेज आंच में 30 सेकंड्स तक चलाते हुए मिलाएं फिर आंच बंद कर दें। इसके बाद इसमें ऑरेंज और हरे कलर वाली बूंदी डालकर मिक्स करके इसे ठंडा कर लें। 8-10 मिनट ठंडा होने के बाद इसके लड्डू बना लें।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630